सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है

ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 87 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 09 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मोहम्मद शमी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, दो साल बाद किसी क्रिकेटर को मिला यह अवॉर्ड

नईदिल्ली। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। शमी को मंगलवार (नौ जनवरी) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह पुरस्कार दिया। शमी 58वें क्रिकेट खिलाड़ी हैं, जिन्हें अर्जुन अवॉर्ड दिया गया है। इनमें 12 महिला क्रिकेट खिलाड़ी शामिल हैं। दो साल बाद किसी क्रिकेटर को अर्जुन अवॉर्ड मिला है। पिछली बार 2021 में शिखर धवन को यह पुरस्कार मिला था। सलीम दुर्रानी अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले क्रिकेटर हैं। उन्हें 1961 में सम्मानित किया गया था।

शमी ने इस साल वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए थे और टीम इंडिया को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफहार गया, लेकिन टीम के प्रदर्शन की तारीफ खूब हुई। शमी को शुरुआती मैचों में खेलने का अवसर नहीं मिला था। हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के बाद टीम संयोजन में बदलाव हुआ और शमी को जगह मिली। उसके बाद उन्हें कहर बरपा दिया और टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

रायपुर में 11 समेत प्रदेश में मिले कोरोना के 12 नए मरीज, दो की मौत

रायपुर। प्रदेश में कोरोना वायरस ने एक बार फिर लोगों को डराने लगा है। महामारी से संक्रमित लोगों की दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कोरोना वायरस के एक्टिव मामलों की संख्या 125 हो गई है। प्रदेश में बीते 24 घंटों में कोरोना के 12 नए मरीजों की पहचान हुई है, जिसमें रायपुर के 11 और बस्तर का एक शामिल है। रायपुर में कोरोना संक्रमित दो लोगों की मौत भी दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्वास्थ्य संस्थान संचालकों को सर्दी-खांसी और बुखार से पीड़ित मरीजों की कोरोना जांच के निर्देश दिए गए हैं। लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। घर से मास्क पहनकर ही बाहर निकले। सर्दी-खांसी और बुखार के लक्षण है तो कोरोना की जांच अवश्य कराएं।

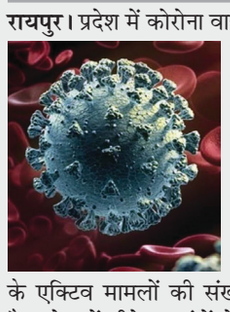

15 किलो का आईईडी बरामद, सुरक्षाबलों ने मौके पर किया डिफ्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में पोटकापल्ली के पास सुरक्षाबलों को 15 किलो का आईईडी बरामद हुआ है। किस्टाराम थाना क्षेत्र के कैंप पोटाकपल्ली से संयुक्त अभियान पर निकले 212 बटालियन सीआरपीएफ और जिला बल के जवानों को यह बड़ी सफलता मिली। किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। जवानों के लिए आईईडी लगाया गया था। एरिया डोमिनेशन के दौरान 212 बटालियन सीआरपीएफ और जिला बल ने मौके पर ही आईईडी को डिफ्यूज कर दिया।

छत्तीसगढ़ में लक्ष्य के करीब पहुंची धान खरीदी, फायदे में किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी अपने अंतिम पड़ाव की तरफबढ़ रही है। नवंबर माह से शुरू हुई प्रदेश में धान खरीदी जल्द ही खत्म होने वाली है। इसी के साथ प्रदेश में अब तक 82.5 लाख मीट्रिक टन की धान खरीदी की जा चुकी है।

राज्य में इस साल मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की जा रही है। इसी तर्ज पर राज्य सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदी कर रही है। अब तक किसनों को उनकी धान का 17,773 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। वही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन पर पूर्व में धन भेज चुके किसानों को भी 21 क्विंटल धान विक्रय करने का फायदा दिया जा रहा है। यह धान खरीदी 31 जनवरी तक चलने वाली है।

छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा 1 नवंबर से चल रही धान खरीदी को लेकर खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 15 क्विंटल कॉमन धान की 2040 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की दर से किए जाने के साथ ही उन्हें प्रति एकड़ 9000 रूपए की इनपुट सब्सिडी दी गई, जिसे मिलाकर अधिकतम 39,600 रूपए का भुगतान होता था। इस साल 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से होने से किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेचने पर 65,100 रूपए मिलेगा। इस साल किसानों को पिछले साल की अपेक्षा इस साल धान बेचने पर पिछले साल की तुलना में 25,500 रूपए का फायदा होगा।

अब तक 82.44 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

मार्कफेड के महाप्रबंधक दिलीप जायसवाल के अनुसार इस साल 16 लाख 67 हजार 790 किसानों से 82.44 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। वही लगातार धान का उठाव का कार्य भी किया जा रहा है। अब तक 68 लाख 55 हजार 366 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है। जिसके विरूद्ध में मिलर्स द्वारा 48 लाख 23 हजार 145 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है। राज्य सरकार ने इस साल 130 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी का लक्ष्य रखा है। जिस लक्ष्य के पास जल्द पहुंचा जाएगा।

सीएम विष्णुदेव साय ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के दिवंगत पिता को दी श्रद्धांजलि

- विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरुण साव व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव भी पहुंचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। वे मंगलवार को राजधानी स्थिति पाटन सदन पहुंचे जहां पूर्व सीएम बघेल के पिता का पार्थिव शरीर रखा हुआ है। सीएम साय ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरुण साव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव भी मौजूद रहे।

बता दें पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल का सोमवार की सुबह राजधानी के अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ्य थे और उनका इलाज रायपुर के निजी अस्पताल में चल रहा था। दिवंगत नंद कुमार बघेल का अंतिम संस्कार 10 जनवरी को उनके गृहग्राम कुरुदडीह में किया जाएगा। इससे पहले उनके पार्थिव शरीर को राजधानी स्थित पाटन सदन में अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनके निधन पर शोक व्यक्त कर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मंगलवार को वे पाटन सदन पहुंचे और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता स्वर्गीय नंदकुमार बघेल के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने पूर्व मुख्यमंत्री बघेल एवं उनके परिजनों से भेंटकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और ईश्वर से उनके परिवारजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक किरण सिंहदेव ने भी स्वर्गीय नंदकुमार बघेल को श्रद्धांजलि दी।

सचिन पायलट 11 जनवरी को आएंगे छत्तीसगढ़, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहला दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट 11 जनवरी को छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे प्रदेश कार्यकारिणी और जिलाध्यक्षों की बैठक लेंगे। उनकी मौजूदगी में लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर मैराथन बैठकों का दौर चलेगा।

सचिन इसके अलावा विधायक दल से भी मुलाकात होंगे। इस दौरान सभी 11 लोकसभा क्षेत्रों में मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों की पूरी रिपोर्ट लेंगे। उनके पहले प्रदेश दौरे को देखते हुए एयरपोर्ट पर उनके भव्य स्वागत की तैयारी है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश कार्यकारिणी (कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, कार्य. सदस्य, संयुक्त महामंत्री और सचिव), सभी एआईसीसी सदस्य, विधायक, प्रत्याशी, जिला, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सहित मोर्चा, संगठन, प्रकोष्ठ विभाग के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। इस बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा होगी। सभी सीटों को लेकर शुरुआती कार्ययोजना भी तय की जाएगी। प्रभारी का यह पहला छत्तीसगढ़ दौरा होगा। इसके बावजूद वे सभी संसदीय क्षेत्रों की विस्तृत रिपोर्ट भी लेंगे।सभी विधायक और प्रत्याशियों को भी बुलाया गया है।

छत्तीसगढ़ में 11 जनवरी से फिर बढ़ेगी ठंड, बारिश के भी आसार

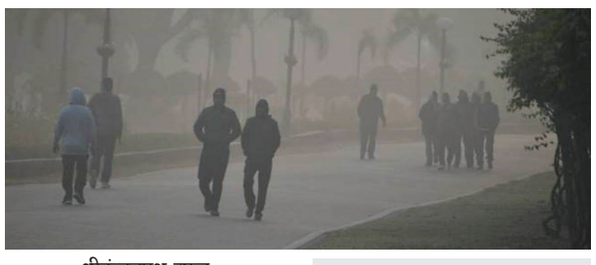

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, पेंड्रा और बिलासपुर में बुधवार को हल्की बारिश की संभावना है। 11 जनवरी से न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट हो सकती है। पेंड्रा में सुबह 9 बजे तक घना कोहरा छाया रहा। सोमवार को नारायणपुर सबसे ठंडा रहा है। यहां रात का पारा 10.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं जगदलपुर सबसे गर्म रहा यहां अधिकतम तापमान 32.02 डिग्री रहा। सरगुजा संभाग में शीतलहर चल रही है। बादल छंटने के बाद यहां फिर ठंड बढ़ेगी। अगले 24 घंटे के बाद न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिरने की संभावना है।

सोमवार को बिलासपुर जिले में दिन भर बादल छाया रहा। हालांकि, दोपहर के समय धूप निकली रही। जिसके बाद लोग ठंड में धूप का मजा लेते रहे। यहां अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है।

दुर्ग-भिलाई में दिन में गर्मी, रात में ठंड

दुर्ग जिले में मौसम का उतार चढ़ाव जारी है। दिन के समय जहां गर्मी का अहसास हो रहा है। वहीं रात में ठंड बढ़ रही है। हफ्तेभर तक तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर देखने को मिलेगा। सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 29.8 और न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री दर्ज किया गया। राजनांदगांव में मौसम साफहै लेकिन सुबह हल्की धुंध देखने को मिली। कोहरे के प्रभाव से हवा में नमी बनी हुई है। ठंड के कारण लोगों को सुबह के वक्त अलाव का सहारा लेते देखा गया। जिले में रात का तापमान 14.4 डिग्री रहा।

मंदिर की सुरक्षा के लिए सरयू की लहरों पर सर्विलांस रूम, 7 एजेंसियां रखेंगी नजर

अयोध्या (एजेंसी)। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरी अयोध्या सुरक्षा के घेरे में रहेगी। सात बड़ी सुरक्षा एजेंसियां रामनगरी के विभिन्न इलाकों में छानबीन में जुटी हैं। इसके अलावा जिले की सीमाओं पर भी चौकसी बढ़ाई गई है। आने-जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी करके ही प्रवेश दिया जा रहा है।

जिले के विभिन्न इलाकों में बने होटल, लॉज व धर्मशालाओं में भी टीमें छानबीन कर रही हैं। यहां ठहरे व बुकिंग कराए लोगों का भी सत्यापन कराया जा रहा है। वहीं, राम मंदिर की सुरक्षा के लिए सरयू की लहरों पर अत्याधुनिक तकनीक वाले सर्विलांस रूम बनेंगे। इनके माध्यम से चौधरी चरण सिंह घाट से गुप्तार घाट तक नदी की निगरानी की जाएगी।

तैयारियों के क्रम में सोमवार को पहले चरण में 347 पुलिसकर्मी अयोध्या पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक (नगर) ने बताया कि दूसरे चरण में 12 जनवरी व तीसरे चरण में 18 जनवरी को 5300 जवान अयोध्या पहुंचेंगे। प्रदेश के अन्य जिलों से 100 उपाधीक्षक, 300 निरीक्षक, 800 उपनिरीक्षक व 4500 मुख्य आरक्षी व आरक्षियों की मांग की गई है।

आतंकी गतिविधियों पर नजर

नदी के रास्ते अयोध्या में कोई अवांछनीय तत्व आतंकी गतिविधियों के इरादे से प्रवेश न करने पाए, इसके लिए उच्च स्तर की तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। सर्विलांस रूम का निर्माण इसी रणनीति का हिस्सा है। इसका निर्माण नदी की लहरों पर जेटी के ऊपर किया जा रहा है। नदी में बाढ़ आने की स्थिति में जेटी के साथ यह रूम भी ऊपर आ जाएंगे। पानी कम होगा तो यह स्वत: नीचे हो जाएंगे।

फिर वही जातिगत समीकरण पर राजनीति

श्रीकंचनपथ

अंग्रेजों ने हमें हिन्दू-मुसलमान में बांटा और हमने सारी हदें पार कर दीं। मतांतरित होना कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर संतों ने नए मतों का प्रचार किया और लोग उनके अनुयायी हो गए। पर इन सब में एक बात समान है कि सभी की आस्था एक ऐसी अदृश्य शक्ति में है जो इस सृष्टि को चला रहा है। किसी दार्शनिक ने कहा था कि अपढ़-कुपढ़ लोगों के देश में लोकतंत्र एक मजाक बन जाता है। भारत आज इसकी पराकाष्ठा के दौर से गुजर रहा है। भारतीय जनता पार्टी हो या कांग्रेस, सभी जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों की बात करते हैं। मोदी गुजराती हैं तो क्या वे छत्तीसगढ़ के दुश्मन हैं? अगर नहीं, तो फिर क्षेत्रीयता की बातें क्यों की जाती हैं? छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। दोनों बड़ी पार्टियों ने कमर कस ली है। दन्तेश्वरी मंदिर से लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज करते हुए भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि लोकसभा में सभी 11 सीटें जीतनी हैं। इसके लिए क्षेत्रीय और जातिगत आधार पर नाम तय किये जायेंगे। कांग्रेस भी ऐसा ही करती है। यह क्या बात हुई? योग्यता एक तरफ और जातिगत समीकरण एक तरफ। इसी समीकरण के चलते किसी एक सीट पर चार-छह साहू खड़े हो जाते हैं तो किसी सीट पर 10-12 चंद्राकर। कहीं बघेल से बघेल लड़ रहा होता है तो कहीं वर्मा से वर्मा। ऐसे में सही नेतृत्व कैसे उभरेगा? 10 साल पहले ऐसा लगा था कि लोकतंत्र का यह मजाक अब खत्म होगा। लोगों को लगा था कि व्यक्ति पूजा और जातपात के आधार आधारित राजनीति पर भाजपा अंकुश लगाएगी। पर अब वह भ्रम टूटने लगा है। कांग्रेस के अल्पसंख्यक वाद पर भाजपा के बहुसंख्यकवाद को भारी पड़ना ही था और वह पड़ा भी पर अब यहां भी वही ट्रेन की जनरल बोगी वाला हाल है। खचाखच भरे जनरल बोगी में पहले आदमी हैण्डल पकड़कर केवल पांव धरने की जगह ढूंढता है। इतना मिल गया तो वह ट्रेन में लटका हुआ सफर करता है। पर शनैः-शनैः वह अपना कम्फर्ट जोन ढूंढता है। पहले धक्का-मुक्की कर भीतर पहुंचता है। फिर किसी सीट के किनारे अपनी आधी टिकाता है। फिर ठेलम-ठेली करके अपने लिये पूरी जगह बना लेता है। बस चला तो पालथी मार लेता है और फिर बाजू वाले पर टिककर सो जाता है। यहां तक तो फिर भी ठीक है। पर जब वह अन्य मुसाफिरों के मुंह पर दरवाजा बंद करने लगता है तो मानवता की सीमाओं को लांघ जाता है। छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों पर कब्जा करने के लिए अभी उसके पास काम-काज का श्रेष्ठ मौका है। फिर वह उसी फंदे पर क्यों झूल जाना चाहती है जिसने कांग्रेस की मिट्टी पलीद कर दी। क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों के चक्कर में कर्मठ कार्यकर्ता हाशिए पर रहे और फिर पार्टी के लिए गड्ढा खोद दिया। क्या ऐसे ही विश्व गुरू बनेगा भारत?

संपादकीय

माले को माकूल जवाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया लक्षद्वीप यात्रा से जुड़ी तस्वीरों पर मालदीव के कुछ मंत्रियों द्वारा की गई अशालीन टिप्पणियां कूटनीतिक मर्यादा के विपरीत तो थीं ही, एक हिमाकत भी थी और भारतीय विदेश मंत्रालय व राष्ट्रीय जन-मन ने उनका उचित ही कड़ा प्रतिकार किया। इस मामले में भारत के सख्त रुख का ही नतीजा है कि उन मंत्रियों को न सिर्फ अपनी कुरसी गंवानी पड़ी, बल्कि खुद अपने मुल्क में उन्हें कड़ा विरोध झेलना पड़ रहा है। जिस चीन की शह पर मुइज्जू सरकार भारत विरोधी आक्रामक मुद्रा अपना रही है, उसने भी नई दिल्ली के कठोर रुख को भांपते हुए इस विवाद से अपने को अलग कर लिया है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने साफ लिखा है कि बीजिंग ने कभी भी माले को यह नहीं कहा कि वह नई दिल्ली को नकारे और न ही वह इन दोनों देशों के अच्छे रिश्तों को अपने लिए खतरे के रूप में देखता है। दरअसल, चीन को यह अच्छी तरह से एहसास हो चुका है कि भारत अपने आत्म-सम्मान की कीमत पर रिश्तों का आग्रही नहीं है।

> आम भारतीयों के साथ-साथ बॉलीवुड-सेलिब्रिटीज ने जिस तरह मालदीव के मंत्रियों के ओछे बयानों का मुखर विरोध किया है, उससे उम्मीद बनी है कि वे लक्षद्वीप समेत देश के तमाम पर्यटन स्थलों के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कोई छिपी हुई बात नहीं है कि हमारे सितारे बड़ी संख्या में अपनी छुट्टियां मनाने मालदीव जाते हैं। अगर वे अपने पर्यटन स्थलों की ओर अब भी मुड़ पाए, तो यह देश-सेवा होगी।

यह प्रकरण इस बात का ठोस उदाहरण है कि अदूरदर्शी राजनेताओं के हाथों में जब देश की बागडोर आती है, तो अपने बड़बोलेपन से वे मुल्क के हितों को कितनी गहरी चोट पहुंचा देते हैं। घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बीच के अंतर की समझ न होना भी अक्सर ऐसी गलतियों की गुंजाइश बनाता है। मालदीव के इन तीनों निलंबित मंत्रियों- मरियम शिउना, महमूद माजिद और मालशा शरीफ ने यदि अपना इतिहास-भूगोल पढ़ा होता, तो शायद वे ऐसी हरकत नहीं करते। इन तीनों युवा नेताओं को यह पढ़ाए जाने की जरूरत है कि सन् 1988 में जब उनकी लोकतांत्रिक सरकार और पूरी व्यवस्था चंद बागियों की बंधक बन गई थी, तब एक गुहार पर भारत ने उसकी क्या मदद की थी और उसके बाद से मालदीव की स्थिरता और सुरक्षा में नई दिल्ली ने कितनी सकारात्मक भूमिका रही है?

यह संतोष की बात है कि मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद और इब्राहिम एम सोहिल जैसे वरिष्ठ नेताओं ने इन युवा पूर्व मंत्रियों के साथ-साथ मुइज्जू सरकार को भी कूटनीति की नसीहत दी है। मोहम्मद नशीद ने तो मरियम शिउना को लताड़ते हुए यहां तक कहा है कि वह भयावह भाषा बोल रही हैं, वह भी उस साथी देश के लिए, जो मालदीव की सुरक्षा और समृद्धि के लिए बेहद अहम है। बहरहाल, भारत और भारतीयों के तेवर से उन देशों को सबक मिल गया होगा, जो भारत से लाभ तो चाहते हैं, लेकिन उसकी भावनाओं की अनदेखी करने के अभ्यस्त हो गए हैं। मालदीव की अर्थव्यवस्था में भारतीय पर्यटकों की कितनी बड़ी भूमिका है, माले को यह बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। फिर उसको यह भी नहीं भूलना चाहिए कि नई दिल्ली से बिगाड़कर पाकिस्तान का क्या हश्र है और इससे बनाकर बांग्लादेश कहां से कहां पहुंच गया? बहरहाल, इस विवाद का एक सकारात्मक पहलू भी है। आम भारतीयों के साथ-साथ बॉलीवुड-सेलिब्रिटीज ने जिस तरह मालदीव के मंत्रियों के ओछे बयानों का मुखर विरोध किया है, उससे उम्मीद बनी है कि वे लक्षद्वीप समेत देश के तमाम पर्यटन स्थलों के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कोई छिपी हुई बात नहीं है कि हमारे सितारे बड़ी संख्या में अपनी छुट्टियां मनाने मालदीव जाते हैं। अगर वे अपने पर्यटन स्थलों की ओर अब भी मुड़ पाए, तो यह देश-सेवा होगी।

प्रभु श्रीराम के नाम पर विकास

विकास किसी भी रूप में हो, वह आम जन के लिये हितकारी ही होता है। आज पूरी दुनिया की उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के एतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या के पुरातन वैभव व विकास कार्यों की चर्चा करते हुए रैली में यह कहा। उन्होंने कहा भारत की मिट्टी के कण-कण व जन-जन का मैं पुजारी हूं। 15 हजार 700 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास कर मोदी ने रामपथ, भक्ति पथ के निर्माण व सरयू नदी में गंदे पानी की आवक रोकने जैसी बातें भी कीं। वंदे भारत, नमो भारत व अमृत भारत ट्रेनों के संचालन की चर्चा करते हुए इस त्रिशक्ति ट्रेन को भारतीय रेल का कायाकल्प करने वाला बताया। उन्होंने बताया, तुलसीदास ने कहा था कि गरीब की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। इसलिए ये गरीब सेवा की भावना से शुरू की गई हैं। 34 वंदे भारत ट्रेनों में डेढ़ करोड़ यात्रियों द्वारा की गईं यात्राओं की चर्चा करते हुए मोदी ने यात्राओं व परिक्रमाओं को भगवान व आस्था से जोड़ते हुये कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अयोध्या नगरी को धन्यधान्य से परिपूर्ण व समृद्धि के शिखर पर आनंद से भरा हुआ बताया है। ज्यों- ज्यों लोक सभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है, त्यों-त्यों राम मंदिर को लेकर भाजपा की रणनीति जोर-शोर से काम करती नजर आने लगी है। यही मुद्दा है, जिसने भाजपा को दो सीटों से सीधे केन्द्र तक पहुंचने का रास्ता बनाया। 14-22 जनवरी तक देश के सभी मंदिरों, धार्मिक स्थलों व तीर्थ स्थलों में स्वच्छता अभियान चलाने की बात कर मोदी गांव-गांव, कस्बों-छोटे शहरों आदि में रहने वाले देशवासियों को सीधा श्रीराम से जोड़ने का काम किया है। सरकार के इस प्रयोग पर तिलमिलाया विपक्ष अब तक इसकी कोई काट नहीं ढूंढ पाया है। वे मन्दिर को पूरे देश का कह रहे हैं और कभी भी वहां दर्शन के लिए जाने की बात कर अपनी आस्था सुनिश्चित कराने की कोशिशें भी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि सरकार बार-बार दोहराती है कि राम मन्दिर निर्माण राजनीति का विषय नहीं है और रामलला पांच सौ वर्षों से इसका इंतजार कर रहे थे। यह न सिर्फ आस्था व विश्वास से जुड़ा मुद्दा है, बल्कि इसे लगातार भावनाओं से जोड़ा जाता रहा है। यह विशाल आयोजन नि:संदेह भाजपा को बड़ा राजनीतिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ही किया जा रहा है। मगर इन व्यवस्थाओं के माध्यम से तथा इसे मिल रहे प्रचार से यहां भक्तों की आमद बढ़ेगी जिसका स्थानीय लोगों/बाजारों को लाभ मिलना तय है।

ईडी पर हमला क्यों?

सरकारी कामकाज में लगे अधिकारियों को निशाना बनाना देश में कानून-व्यवस्था और लोकतंत्र के बुनियादी कायदों के हो रहे ह्रास का संकेत है। इसलिए सभी पक्षों को पश्चिम बंगाल में हुई घटना के कारणों पर पूरी गंभीरता से सोच-विचार करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता के यहां जांच के सिलसिले में गए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर उस नेता के समर्थकों का हमला ऐसी घटना है, जिसे किसी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। अपेक्षित है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां इस कांड में तत्परता से उचित कार्रवाई करेंगी। सरकारी कामकाज में लगे अधिकारियों को इस तरह निशाना बनाना देश में कानून-व्यवस्था और लोकतंत्र के बुनियादी कायदों के हो रहे ह्रास का संकेत है। इसलिए सभी पक्षों को इस घटना पर पूरी गंभीरता से सोच-विचार करना चाहिए। सवाल है कि केंद्र सरकार की एक एजेंसी को खासकर विपक्षी खेमों में खलनायक की तरह क्यों देखा जा रहा है? उल्लेखनीय है कि दो मुख्यमंत्री झारखंड के हेमंत सोरेन और दिल्ली के अरविंद केजरीवाल लगातार ईडी के समन की अवहेलना कर रहे हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी खुलेआम सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग कर रही है।

> **सिंगापुर की भौतिक प्रगति के पीछे यही समावेशी चेतना है, जिसने एक ऐसा समाज बनाने में प्रधानमंत्री ली की मदद की थी और जिसको लेकर भारत सिंगापुर से कुछ सीख सकता है। कई बार हमें छोटों से भी सीखना चाहिए। धार्मिक, भाषायी या नस्ली मुद्दों पर उदारता हमें सही अर्थों में एक राष्ट्र बनने में मदद करेगी।**

सिंगापुर से हमें जो सीखना चाहिए

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

यह प्रश्न ही कुछ अटपटा सा लगेगा कि भारत क्या सिंगापुर से कुछ सीख सकता है, खास तौर से इसलिए कि सिंगापुर भारत से बहुत छोटा है। 283 वर्गमील के क्षेत्रफल और 60 लाख से भी कम की आबादी वाले एक नगर-राज्य की 140 करोड़ की आबादी और अपने से कई हजार गुना क्षेत्रफल वाले राष्ट्र-राज्य से तुलना नहीं की जा सकती है। मगर दोनों के बीच कुछ ऐसी अद्भुत समानताएं हैं कि आप सहज रूप से यह समझने की कोशिश कर सकते हैं कि सिंगापुर ने समान चुनौतियों में एक राष्ट्र बनने की प्रक्रिया को कैसे संभव बनाया और क्या भारत उससे कुछ सीख सकता है?

भारत की ही तरह सिंगापुर भी अद्भुत विविधताओं वाला भूभाग है। धार्मिक, नस्ली और भाषिक विविधताओं वाले इस समाज को एक राष्ट्र बनाने में इसके नेताओं के सामने पहाड़ जैसी चुनौतियां थीं। ऐतिहासिक रूप से यह एक वृहत्तर मलय राष्ट्रीयता का भाग हो सकता था। मलय प्रायद्वीप के दक्षिणी किनारे में स्थित सिंगापुर जलडमरूमध्य के साथ दक्षिणी चीन महासागर को छूता है। यहां चीन, दक्षिण भारत और आस-पास की मलय आबादी वाले द्वीपों से प्रवासन होता रहा और फलस्वरूप यह विविधताओं का अद्भुत संगम बन गया। बौद्ध, ईसाई, इस्लाम, ताओ और हिंदू धर्म के अनुयायियों के बीच नस्ली विभाजन बड़ा स्पष्ट दिखता है। ऐसे में, यह देखना बड़ा दिलचस्प होगा कि सिंगापुर के राष्ट्र-निर्माताओं ने विविधता को कैसे कमजोरी से अपनी शक्ति मे तब्दील कर लिया!

अमेरिका, यूरोप, चीन या पाकिस्तान के मुकाबले स्वाभाविक रूप से छोटे से नगर-राज्य सिंगापुर को हमारे विमर्श में बहुत कम स्थान मिल पाता है। उसके बारे में हमारा ध्यान मुख्यत: देश के पहले प्रधानमंत्री ली कुआन यू के उन असाधारण कारनामों की तरफ जाता है, जिनके चलते तीसरी दुनिया का एक निहायत पिछड़ा देश कुछ ही दशकों में पहली दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो गया। आज अपने नागरिकों को यह जैसा जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रहा है, वह अमेरिकी और यूरोपीय समाजों के लिए भी ईर्ष्या का बायस हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से सिंगापुर में रहते हुए मैं प्रशंसा भाव से एक नागरिक मित्र और सुविधा संपन्न शहरी बसावट को देखता रहा हूं, पर इन सबको जिस दृष्टि ने संभव बनाया, उसे भारतीय संदर्भों के साथ समझना मुझे ज्यादा प्रासंगिक लगता है।

एक ब्रिटिश कॉलोनी सिंगापुर के हाकिमों को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद समझ में आ गया था कि भारत या दूसरी कॉलोनियों की तरह वे सिंगापुर को भी अधिक दिनों तक अपने अधीन नहीं रख पाएंगे और उन्होंने दूसरे अधीन राष्ट्रों की तरह इसे भी क्रमश: आजादी देनी शुरू कर दी। सबसे पहले घरेलू मसलों को स्थानीय नेतृत्व को सौंपते हुए 1959 में ली कुआन यू को मुख्यमंत्री बनाया गया और फिर धीरे से सत्ता का हस्तांतरण करते हुए वह स्वतंत्र गणतंत्र के पहले प्रधानमंत्री बनाए गए। ली को विविधता में छिपी अपनी कमजोरियों का एहसास था और उन्होंने इतिहास का सहारा लेते हुए सिंगापुर को वृहत्तर मलय राष्ट्र का हिस्सा बनाते हुए मलेशिया में स्वयं का विलय कर दिया। यह व्यवस्था कुछ वर्ष भी नहीं चल पाई, क्योंकि जहां उनका दल 'पीपुल्स एक्शन पार्टी' (पीएपी) धर्मनिरपेक्ष राजनीति करना चाहता था, वहीं मलेशिया के प्रमुख नेता टुंकू अब्दुल रहमान और टुन अब्दुल रज्जाक धार्मिक पहचान को राजनीति से पृथक करने को तैयार न थे। ली की पार्टी पीएपी ने मलय प्रायद्वीप के दूसरे छोटे दलों का गठबंधन बनाकर धर्म और सरकार को अलग करने की कोशिश की, तो मलेशियाई नेताओं ने सिंगापुर को ही संघ से निकाल बाहर कर दिया। अलग किए जाने पर ली दुखी हुए, पर उन्होंने बदली स्थिति में नए राष्ट्र के निर्माण का फैसला किया और फिर शुरू हुआ सिंगापुर का नया सफर।

सन् 1965 में ली स्वतंत्र सिंगापुर के प्रथम प्रधानमंत्री बने, तब चुनौतियों का पहाड़ उनके सामने था। अर्थव्यवस्था से भी बड़ी चुनौती थी धर्मों, नस्लों और भाषिक समूहों मे बंटी जनता को एक राष्ट्र में तब्दील करना। जातीयता के लिहाज से देखें, तो चीनी सबसे बड़ी जाति थी, मुख्य रूप से मेंडारिन बोलने वाले और ईसाई व बौद्ध धर्मों के अनुयायियों की यह आबादी कुल जनसंख्या की लगभग तीन चौथाई थी। इनके बाद मलयभाषी मुस्लिम थे और तीसरे स्थान पर तमिल हिंदू थे। पीएपी का नेतृत्व चीनियों के हाथ में था और उनके विशाल बहुमत को देखते हुए यह स्वाभाविक अपेक्षा हो सकती थी कि सिंगापुर मेंडारिन और चीनी पहचान वाला राष्ट्र बनता। ली की समझ इस मामले में स्पष्ट थी। उन्हें एक उदार, धर्मनिरपेक्ष और समावेशी सिंगापुर बनाना था। पहली चुनौती भाषा को लेकर आई। उन्होंने तय किया कि अंग्रेजी, मेंडारिन, मलय और तमिल को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया जाएगा, लेकिन रोजमर्रा के सरकारी काम-काज की भाषा अंग्रेजी होगी। इस शुरुआती उदारता का परिणाम यह हुआ कि समय-समय पर शैक्षिक पाठ्यक्रमों में अन्य भाषाओं को भी बिना किसी हिंसक आंदोलन के जगह मिलती रही और आज भारतीय भाषाओं में हिंदी, गुजराती, बांग्ला और उर्दू की भी पढ़ाई की सुविधा विद्यालयों में उपलब्ध है। एक भारतीय के तौर पर जब मैं मेट्रो स्टेशनों पर तमिल में उद्घोषणाएं सुनता हूं, तो मुझे प्रसन्नता होती है।

जातीयता के स्तर पर भी यहां सभी को तरक्की के समान अवसर हासिल हैं। इन दिनों सिंगापुर के प्रधान न्यायाधीश एक भारतीय मूल के सज्जन हैं। कोई वैधानिक आरक्षण नहीं है, पर सकारात्मक प्रोत्साहनों के बल से सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि विकास का फल सभी चखें। भारतीय मूल के सामाजिक कार्यकर्ता श्रीनिवास राय ने मुझे अपना अनुभव बताया कि कैसे वह तर्कों से नेतृत्व को समझा सके कि भारतीय मलय से भिन्न एक स्वतंत्र पहचान के हकदार हैं और हिंदी भी पढ़ाई जानी चाहिए। फलस्वरूप इस समय लगभग दस हजार छात्रों की ऐच्छिक भाषा हिंदी है।

धर्म यहां पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था है और राज्य किसी को प्रोत्साहित या निरुत्साहित नहीं करता। सभी प्रमुख धर्मों के दस सार्वजनिक अवकाश घोषित हैं और हर व्यक्ति अपनी आस्था के अनुसार उनमें से अपनी छुट्टियां चुन सकता है। सन् 1964 के बाद सिंगापुर में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ।

सिंगापुर की भौतिक प्रगति के पीछे यही समावेशी चेतना है, जिसने एक ऐसा समाज बनाने में प्रधानमंत्री ली की मदद की थी और जिसको लेकर भारत सिंगापुर से कुछ सीख सकता है। कई बार हमें छोटों से भी सीखना चाहिए। धार्मिक, भाषायी या नस्ली मुद्दों पर उदारता हमें सही अर्थों में एक राष्ट्र बनने में मदद करेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ड्रोन आंदोलन : भारतीय कृषि क्रांति की तीसरी लहर

मनसुख मांडविया, केंद्रीय रसायन व उर्वरक मंत्री

पंजाब के हरे-भरे खेतों से गुजरते हुए, मेरा ध्यान कहीं दूर गूंजती एक आवाज ने आकर्षित किया। स्वाभाविक ही जिज्ञासा हुई कि इस आवाज का स्रोत क्या है? वहां पहुंचते ही मेरा स्वागत दो किसानों ने किया। वे ड्रोन के जरिये नैनो यूरिया का छिड़काव कर रहे थे। देश के धुर ग्रामीण क्षेत्र में किसानों द्वारा एक नई तकनीक को इतने उत्साहपूर्वक स्वीकार किए जाने को देखकर मुझे सुखद अनुभूति हुई। मुझे लगा कि यह देश के कृषि क्षेत्र के लिए वह 'ड्रोन क्षण' है, जिसने देश में 'ड्रोन आंदोलन' की शुरुआत की। किसानों ने मुझे बताया कि उन्हें कृषि-ड्रोन के बारे में जानकारी उनके गांव में ही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के दौरान मिली। यह नई तकनीक उनके खेतों में कुशल तरीके से तरल उर्वरकों और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए बेहद उपयोगी है।

कृषि-कार्यों में ड्रोन के इस उपयोग को मैं कृषि क्रांति की तीसरी लहर के रूप में देख रहा हूं। कृषि-ड्रोन तकनीक हमारी कृषि पद्धतियों को आधुनिक बनाने और बदलने में एक कारगर हस्तक्षेप साबित हो रही है। हैंड पंपों के माध्यम से कीटनाशकों और तरल उर्वरकों के थकाऊ छिड़काव के दिन चले गए। अब इसकी जगह ड्रोन की मदद से छिड़काव की अधिक कुशल तकनीक ले रही है। अपनी पहली हरित क्रांति में नए कृषि उपकरणों, एचवाईवी (उच्च उत्पादकता किस्में) बीजों, कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग की शुरुआत हमने देखी। पिछले कुछ वर्षों में हमारे पर्यावरण, मिट्टी के स्वास्थ्य और उसकी उर्वरता की दीर्घकालीन स्थिरता बनाए रखने के लिए, उर्वरकों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता महसूस की गई। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से इसका आह्वान किया। इससे प्रेरित होकर सरकार ने जैव, नैनो और जैविक उर्वरक जैसे वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए पीएम प्रणाम व गोबरधन जैसी कई पहल शुरू की है। इन नए प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और किसानों को एकीकृत समाधान प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना की गई है।

स्वदेशी रूप से विकसित नैनो उर्वरक बेहतर हैं, क्योंकि वे पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों का पर्यावरण-अनुकूल और प्रभावी विकल्प प्रदान करते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और फसल की उपज में सुधार करने में सहायता मिल रही है। साथ ही बेहतर पोषक तत्व उपयोग दक्षता और आसान प्रबंधन जैसे कई फायदे भी हैं। इसकी व्यापक स्वीकार्यता सुनिश्चित करने में अगली चुनौती कुशल अनुप्रयोग प्रणाली की एक विधि विकसित करना, आसानी से अपनाने के लिए एक इको-सिस्टम का निर्माण करना और कृषक समुदाय तक लाभों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करना था। भारत के युवा और गतिशील स्टार्टअप द्वारा किसान ड्रोन का विकास तरल उर्वरकों के इस्तेमाल के लिए एक प्रभावी और कुशल तकनीक प्रदान करता है। मिनटों में एक एकड़ कृषि भूमि पर छिड़काव करने की क्षमता अपने खेतों में घंटों मेहनत करने वाले किसानों के लिए वरदान साबित हुई। अपने पास अधिक खाली समय होने से किसान कमाई बढ़ाने के लिए अधिक उत्पादक कार्य कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री का लक्ष्य देश के विकास में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाना है। उन्होंने 30 नवंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा में स्वयं नमो ड्रोन दीदी का प्रारंभ किया। इसका उद्देश्य कृषि कार्य के लिए किसानों को किराये पर ड्रोन उपलब्ध कराना है। इसके लिए नमो ड्रोन दीदी के तहत 15,000 चुनिंदा महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान किया जा रहा है। यह अनूठी पहल न केवल किसानों को तरल उर्वरक के छिड़काव के लिए ड्रोन उपलब्ध कराएगी, बल्कि महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण समृद्धि में भी योगदान देगी।

प्रभावी संवाद किसी भी पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। 15 नवंबर, 2023 से शुरू हुई देशव्यापी विकसित भारत संकल्प यात्रा में ड्रोन एक प्रमुख आकर्षण बन गए हैं। यात्रा के दौरान सभी राज्यों में 50,000 से अधिक ड्रोन प्रदर्शन हुए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के भीतर अपनी खेती में इस नई उच्च-स्तरीय तकनीक को अपनाने की रुचि जगाई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

साल 2024 में भारत की कूटनीतिक चुनौतियां

सत्येन्द्र रंजन

दुनिया में प्रासंगिक समूह अब जी-7 और ब्रिक्स प्लस-एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन)-ईएईयू (यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन) हैं। ब्रिक्स प्लस, एससीओ और ईएईयू में तालमेल लगातार बढ़ रहा है। इससे इनकी एक साझा पहचान उभर रही है। ज..ब्रिक्स में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के आवेदन को रूस पूरा समर्थन दे रहा है। चीन और ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों का समर्थन भी उसे मिलने की संभावना है। ऐसे में भारत क्या रुख अपनाता है, इससे 2024 में ब्रिक्स के साथ भारत के रिश्तों पर असर पड़ सकता है। 2024 में ब्रिक्स की मेजबानी रूस करेगा ।ज.

अगर अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में साल 2023 का लेखा-जोखा लें, तो भारत के लिए इस वर्ष का सर्वोच्च बिंदु जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा रही। साढ़े नौ वर्ष पहले सत्ता में आने के बाद से अपनी विदेश नीति में अमेरिकी धुरी से निकटता बनाना मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है। जून में हुई राजकीय यात्रा का निहितार्थ यह रहा कि इस दिशा में भारत सरकार ने अपेक्षित प्रगति की है। यह धारणा बनी कि अब हर व्यावहारिक अर्थ में भारत अमेरिकी खेमे का देश बन गया है।

इस वर्ष मोदी सरकार की दूसरी बड़ी कूटनीतिक सफलता जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान साझा घोषणापत्र पर आम सहमति बना लेना रही । तमाम अनुमान यही थे कि जी-7 और रूस-चीन खेमे में बढ़ते टकराव के कारण ऐसा करना संभव नहीं होगा। लेकिन भारत सरकार ने अपने कूटनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर पश्चिमी देशों को साझा घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध का उल्लेख ना करने पर राजी कर लिया।

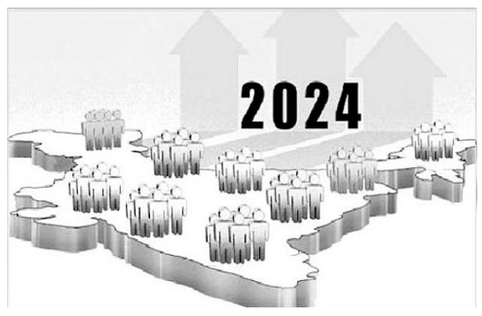

शिखर सम्मेलन से ठीक पहले तक अमेरिका और उसके साथी देश साझा घोषणापत्र में यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की दो टूक निंदा शामिल करवाने पर अड़े नजर आ रहे थे।

उधर रूस के साथ-साथ चीन भी इसके लिए तैयार नहीं था।

मौजूदा भू-राजनीति के बीच यह ऐसी खाई है, जिसे पाटना आसान नहीं था। लेकिन करिश्माई ढंग से मोदी सरकार पश्चिमी देशों को झुकाने में सफल हो गई। नतीजा हुआ कि नई दिल्ली घोषणापत्र जारी हुआ।

वैसे भारत में प्रचारित आम कथानक में जी-20 की मेजबानी करने को ही बड़ी सफलता बताया गया है। लेकिन हकीकत यह है कि भारत को यह मेजबानी रोटेशन के आधार पर मिली। भारत इस समूह का सदस्य है, तो इसकी शिखर बैठक की मेजबानी का मौका मिलना एक स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है। इसलिए इसे वर्तमान सरकार की सफलता बताना यथार्थ को तोड़-मरोड़ कर पेश करना है।

वैसे भी यह समूह अब अपनी प्रासंगिकता खो रहा है- या कहें काफी हद तक खो चुका है। दो खेमों में बंटती दुनिया के बीच इस समूह के अंदर कोई प्रभावी सहमति बनना या वैश्विक समस्याओं के हल के लिए इस समूह की तरफ से कोई सार्थक हस्तक्षेप हो पाना लगातार कठिन होता जा रहा है।

दुनिया में प्रासंगिक समूह अब जी-7 और ब्रिक्स प्लस-एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन)-ईएईयू (यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन) हैं। ब्रिक्स प्लस, एससीओ और ईएईयू में तालमेल लगातार बढ़ रहा है। इससे इनकी एक साझा पहचान उभर रही है। इस लिहाज से 2023 में भारत के लिए एक बड़ा मौका एससीओ की मेजबानी का भी था। लेकिन जुलाई में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन करने का एकतरफा फैसला कर भारत ने इसमें अपनी घटती दिलचस्पी का संकेत दिया। या कम-से-कम यह संकेत तो जरूर दिया कि उसकी नजर में यह समूह उतना अहम नहीं है, जितना जी-20 है। स्पष्टत: इसे गलत जगह दांव लगाने की एक मिसाल माना जाएगा।

भारत के इस नजरिए का नतीजा यह हुआ कि एससीओ शिखर बैठक के बाद जारी हुए साझा घोषणापत्र में भारत की भावनाओं का ख्याल नहीं किया गया। उसमें चीन के बहुचर्चित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की सराहना की गई। चूंकि भारत को इस पर एतराज था, इसलिए यह दर्ज कर लिया गया कि जो बात कही गई है, उससे भारत असहमत है। मगर यह गौरतलब है कि बीआरआई के पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर से गुजरने के कारण इससे भारत की बुनियादी आपत्ति है।

उधर एससीओ में जो हुआ, उससे इस वर्ष अगस्त में आयोजित हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत के संभावित रुख को लेकर संदेह और सघन हो गए थे। लेकिन ऐसे अनुमान दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान निराधार साबित हुए। प्रधानमंत्री मोदी जोहानेसबर्ग गए। वहां उन्होंने ब्रिक्स के विस्तार और ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच भुगतान की डॉलर मुक्त व्यवस्था बनाने के प्रस्तावों को अपना पूरा समर्थन दिया। जबकि इसके पहले तक कयास थे कि भारत का इन बिंदुओं पर बाकी ब्रिक्स देशों से मतभेद है।

इसके बाद सितंबर में जी-20 का शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में हुआ। हालांकि कूटनीति विशेषज्ञों की नजर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के ना आने से इस से इस सम्मेलन की कुछ चमक कम हो गई थी, लेकिन भारतीय आवाम- खासकर अपने समर्थक तबकों के बीच मोदी सरकार इसकी मेजबानी को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करने में कामयाब रही। चूंकि औपनिवेशिक और साम्राज्यवादी प्रभाव के कारण आम भारतीय मानस में पश्चिमी देशों को श्रेष्ठ मानने का एक खास खास भाव बैठा हुआ है, इसलिए अमेरिका, ब्रिटेन आदि जैसे देशों के नेताओं की एक साथ उपस्थिति को मोदी राज में कथित रूप से भारत के बढ़ते प्रभाव के रूप में पेश करना सत्ता पक्ष के लिए आसान हो गया।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

होटल और रेस्टोरेंटस में करें व्हील चेयर की व्यवस्था - कलेक्टर

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने कहा है कि सभी होटल और रेस्टोरेंटस में व्हील चेयर की व्यवस्था की जाए ताकि बुजुर्गों और असहाय लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने बैगा युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही कौशल विकास की ट्रेनिंग देने के निर्देश कौशल विकास विभाग के अधिकारियों को दिए। श्री शरण ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक टीएल की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा युवाओं को वहीं उनके निवास के आस-पास ही कौशल विकास की ट्रैनिंग दी जाए। वे अपने आस-पास के परिवेश से भलीभांति परिचित होते हैं। कलेक्टर ने पीएम जनमन योजना में अब तक की प्रगति की जानकारी लेते हुए जिले के चिन्हांकित सभी पीव्हीटीजी समुदाय के लोगों को योजना का लाभ दिलाने मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए। प्रभावी कार्ययोजना बनाते हुए शिविरों के जरिए उन्हें सभी विभागों के समन्वित सहयोग से योजनाओं का फायदा पहुंचाने कहा। कलेक्टर ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रगति की भी समीक्षा की। गणतंत्र दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी।

विकासखंडों में 15 से 18 तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

राजनांदगांव। जिले के सभी विकासखंडों में 15 से 18 जनवरी 2024 तक सुबह 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार एसव्ही राजौरिया ने बताया कि 15 जनवरी को जनपद पंचायत छुरिया, 16 जनवरी को रोजगार कार्यालय राजनांदगांव, 17 जनवरी को जनपद पंचायत डोंगरगांव एवं 18 जनवरी को जनपद पंचायत डोंगरगढ़ में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से सेफइंटेलीजेंट सिक्यूरिटी सर्विसेस भिलाई जिला दुर्ग द्वारा केवल पुरूष के लिए सिक्यूरिटी गार्ड एवं मित्रसी व कुली की बड़ी संख्या भर्ती की जाएगी। प्लसमेंट कैम्प में शामिल होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, 2 पासपोर्ट साईज फोटो, रोजगार पंजीयन कार्ड के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित हो सकते है।

ओडीएफ प्लस ग्राम एवं ग्राम पंचायत के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

मोहला। विकास खंड अंबागढ़ चौकी के टाउन हॉल में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ओ डी एफप्लस मॉडल ग्राम एवं ग्राम पंचायत को गति देने हेतु उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विकासखंड अंतर्गत सभी ग्राम पंचायत से द्वितीय चरण में सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक ग्राम पंचायत में ठोस अपशिष्ट एवं तरल अपशिष्ट का उचित प्रबंधन विषय में कचरा संग्रहण, सेगरीगेशन, घर-घर क्रियाशील शौचालय एवं स्वच्छता के विषय पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के द्वितीय चरण में कचरा मुक्त गांव जिसके लिए ग्राम स्तर पर विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाये। विकासखंड अंबागढ़ चौकी ओडीएफप्लस मॉडल की ओर उक्त कार्यशाला में ग्राम सरपंच के माध्यम से ओ डी एफप्लस मॉडल पर फीडबैक लिया गया एवं स्वच्छता शपथ का आयोजन भी किया गया।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के निवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलता देखकर मिलती है संतुष्टिः पीएम मोदी

महिलाएं महुआ से बना रही स्वास्थ्यवर्धक लड्डू, प्रधानमंत्री ने की तारीफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ निचले स्तर पर भी निर्बाध ढंग से पहुंच रहा है, यह जानकर उन्हें काफी संतुष्टि मिली है। आदवासी बाहुल्य क्षेत्र के निवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलते हुए देखने पर संतुष्टि मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जा रहे शिविरों में योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए आज उत्तर बस्तर कांकेर जिले के हितग्राहियों से वर्चुअल चर्चा कर रहे थे।

उत्तर बस्तर कांकेर जिले में आयोजित की जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम मनकेसरी में आयोजित शिविर में योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में निवासरत लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने विभिन्न योजनाएं बनाई गई हैं। आम लोगों के विकास के लिए सरकार कटिबद्ध है।

इस दौरान श्री मोदी ने प्रधानमंत्री जनमन योजना का भी जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि उनकी सरकार को आदिवासी समाज के निचले स्तर पर जाकर काम करने का मौका मिला।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम मनकेसरी में लगाए गए शिविर में ग्राम भानबेड़ा की कु. भूमिका भूआर्य से उन्होंने वर्चुअल चर्चा की। कुमारी भूमिका ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनके गांव में 29 समूह हैं और वन धन विकास केंद्र के माध्यम से लघु वनोपज संग्रहण का काम समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है, जिसका सभी को लाभ मिल रहा है। महुआ के लड्डू और आंवले का अचार बनाकर बेचा जाता है। श्री मोदी के पूछने पर भूमिका ने बताया कि महुआ के लड्डू बनाकर समूह द्वारा 700 रुपए प्रति किलो की दर से बेचा जाता है। वर्चुअल संवाद के दौरान हितग्राही कु. भूमिका से प्रधानमंत्री ने पूछा कि और किस चीज के लिए महुए का उपयोग होता है।

वनवासी अंचलों के वन धन केन्द्रों से आ रहा बड़ा बदलाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सहयोगियों द्वारा कैबिनेट में गहन मंथन के पश्चात जनकल्याण के लिए योजनाएं तैयार की जाती हैं। दिल्ली में बनी यह योजनाएं कुशलता से जमीनी स्तर पर किस तरह से क्रियान्वित की जा रही हैं, इसकी समीक्षा प्रधानमंत्री श्री मोदी सीधे आम जनता से संवाद के माध्यम से नियमित रूप से करते हैं। इसके लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा भी आयोजित की जा रही है। उत्तर बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्र द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं का किस तरह असर हुआ है, इसकी जानकारी लेने आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर के भानबेड़ा की हितग्राही भूमिका भूआर्य से ग्राम मनकेसरी में हुए कार्यक्रम में वर्चुअल संवाद किया। भूमिका ने बताया कि उसने बीएससी प्राइवेट किया है और यहां अपने गांव के 29 समूहों में से एक समूह से जुड़ी हुई हैं। प्रधानमंत्री ने भूमिका से पूछा कि उसे केंद्र सरकार की किन योजनाओं का लाभ मिला है। भूमिका ने बताया कि उसे वनधन योजना, उज्ज्वला योजना, नल जल, शौचालय, राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि, दो साल का बोनस आदि सभी योजनाओं का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपको तो सभी योजनाओं से मिला लाभ याद है। भूमिका ने कहा कि आपसे जो मिला है उसे कैसे भूल सकते हैं सर, प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी से बात करके हमें काम करने की और हिम्मत आ जाती है। प्रधानमंत्री ने पूछा कि आपको इतनी सारी योजनाओं का पता कैसे चला और इन्हें प्राप्त करने में किसी तरह की तकलीफनहीं हुई। भूमिका ने बताया कि इन्हें प्राप्त करने में कोई अड़चन नहीं आई, मम्मी पापा से मुझे यह जानकारी मिली। प्रधानमंत्री ने पूछा कि आपका छोटा भाई क्या करता है। भूमिका ने बताया कि वो कालेज में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आपके माता-पिता को प्रणाम करता हूँ जिन्होंने आप दोनों बच्चों को पढ़ाया। मैं जानता हूँ कि बस्तर की जिंदगी कैसी है। आपके माता-पिता प्रणाम करने योग्य हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अंबिकापुर जिला अस्पताल की नब्ज टटोली

मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और सेवा भाव से इलाज करें - स्वास्थ्य मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षणड्रोन से दवाओं की आपूर्ति के पायलट प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का किया आभार सरगुजा संवेदनशील व्यवहार और सेवा भाव से इलाज करें स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सरगुजा प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज का दौरा कर वहां मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों से बात की और अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ओपीडी पंजीयन काउंटर, आईसीयू, ट्रॉमा सेंटर, सहित विभिन्न विभागों का भी निरीक्षण किया। श्री जायसवाल ने मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं से मेडिकल लैब में मुलाकात की और

उनसे पढ़ाई के संबंध में चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और चिकित्सालय प्रबंधन की बैठक ली। बैठक में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ रमणेश मूर्ति, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ पीएस सिसोदिया और सीएमएचओ डॉ आरएन गुप्ता ने जिले में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, संसाधनों की उपलब्धता, कोविड प्रबंधन की तैयारी और मानव संसाधन की जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने बैठक में अधिकारियों को चिकित्सालयों में साफ-सफाई, शौचालयों में आवश्यक सुधार, पानी की व्यवस्था के साथ-साथ अनुपयोगी सामानों को परिसर से हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से दवाइयों की आपूर्ति के पायलट प्रोजेक्ट हेतु सरगुजा के चयन पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने डॉक्टरों और नर्सों से कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों से अच्छा व्यवहार रखें। सेवा भाव के साथ मरीजों का इलाज करें। श्री जायसवाल ने कहा कि आपात ड्यूटी पर कार्यरत डॉक्टर एवं नर्स निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे मरीजों को किसी तरह की असुविधा या परेशानी ना हो। इस दौरान अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो सहित जनप्रतिनिधि एवं चिकित्सकगण मौजूद थे।

राजेंद्र कुमार कटारा ने एससीआरटी और राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के संचालक का कार्यभार ग्रहण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीआरटी) और राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के संचालक पद पर राजेंद्र कुमार कटारा ने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व वे बीजापुर जिले के कलेक्टर थे।

श्री कटारा ने कार्य भार ग्रहण करने के बाद एस सी ई आर टी परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने पूरे परिसर में आवश्यक मरम्मत कर व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने एवं साफसफाई किए जाने का निर्देश दिए।

श्री कटारा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पालन सुनिश्चित करने प्रशिक्षण को गुणवत्तापूर्ण बनाने तथा डाइट स्तर पर ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षण कर डाइट को सशक्त बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिस जिले में साक्षरता दर कम होगी उसे ज्यादा फोकस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं शिक्षक रहा हूं इसलिए शिक्षा मेरी प्राथमिकता में रहा है। इस संस्थान में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और रिसर्च के लिए ऐसी कार्य योजना बनाएं जिससे हम देश में अव्वल दर्जे पर आए।

युवाओं को एक सूत्र में बांधने का सशक्त माध्यम है राष्ट्रीय एकता शिविरः मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल रविवार को अपने राजनांदगांव जिला प्रवास के दौरान स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, सोमनी राजनांदगांव में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में शामिल हुए।

इस अवसर पर मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में एक दूसरे को निकट से समझने एवं जानने का अवसर मिलता है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता

है।उन्होंने कहा कि अलग भाषा अलग भेष फिर भी अपना एक देश, जिस दिन सभी देशवासी क्षेत्रवाद की भावना से उठकर काम करेंगे उस दिन सही अर्थों में देश में एकजुटता आएगी और भारत को विश्व सिरमौर बनने से नहीं रोक सकते। उल्लेखनीय है कि युवा भारत-सशक्त भारत, विकसित भारत थीम पर आधारित शिविर का आयोजन स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, सोमनी राजनांदगांव में हुआ जिसमे देश के 14 राज्यों के एनएसएस के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपना कौशल दिखाया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग शारदा वर्मा, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा, कार्यक्रम सलाहकार एवं क्षेत्रीय निदेशक एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल डॉ. अशोक कुमार श्रोती, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुल सचिव डॉ. भूपेंद्र कुलदीप, कार्यक्रम समन्वयक हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग डॉ. आर.पी. अग्रवाल, राज्य एनएसएस अधिकारी उच्च शिक्षा विभाग डॉ. नीता बाजपेयी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कलेक्टर डॉ सिंह के पहले जनचौपाल में विवेक सहित उनकी पत्नी को मिला नौकरी का प्रस्ताव

रायपुर। रेडक्रास सभाकक्ष में लगाए गए जनचौपाल में आए युवा ग्राम हसदा के निवासी विवेक साहू के चेहरे में उस समय प्रफुल्लित हो उठे, जब उन्हें वह मिला जिसकी अपेक्षा उन्होंने नही की थी। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने प्रभार लेने के बाद अपनी पहली जनचौपाल लगाई। कलेक्टर से नागरिक मिल कर अपनी समस्याओं को बता रहे थे और आवेदन भी दे रहे थे। तभी इनमे से श्री विवेक अपनी जमीन संबंधी समस्या को लेकर आए थे। कलेक्टर को आवेदन देने के समय चर्चा करते हुए श्री विवेक ने बताया कि उनके पास कोई रोजगार नही है। इस पर डॉ सिंह ने शैक्षणिक योग्यता की जानकारी ली और तत्काल पहल करते हुए कलेक्टोरेट मल्टीलेबल पार्किंग स्थि बीपीओ कॉल सेंटर के इनचार्ज को बुलवाया और उसी समय साक्षात्कार लेने कहा। जनचौपाल के दौरान ही कुछ समय में ही यह प्रक्रिया पूर्ण हो गई और वे कॉल सेंटर में रिक्त पदों के योग्यता मे खरे उतरे और उत्तीर्ण भी हुए। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह को इसकी सूचना दी गई तभी श्री विवेक ने अपनी पत्नी की शैक्षणिक योग्यता के बारे में भी जानकारी दी। उनकी पत्नी की योग्यता भी उक्त जॉब के अनुकूल थी। कलेक्टर द्वारा तत्काल श्री विवेक और उनकी पत्नी को कॉल सेंटर में नौकरी का प्रस्ताव दे दिया गया। उनके दस्तावेज परीक्षण तथा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद उन्हे नियुक्ति पत्र दी जाएगी।

आरंग जनपद के ग्राम पंचायत सलौनी में शिविर का आयोजन किया गया

रायपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आरंग जनपद के ग्राम पंचायत सलौनी में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक इन्द्रकुमार साहू एवं जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप सिंह तथा जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत सलौनी विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, श्रम विभाग, पंचायत एवं मनरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, उद्यानिकी सभी विभागों का स्टाल लगाया गया था। शिविर में विधायक द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, उज्जवला योजना, आवास योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना, मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुषमान कार्ड योजना एवं अन्य सभी विभागों से संबंधित जानकारी ग्रामीणों को दी गई। साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में 2047 तक भारत देश को विकसित भारत बनाने हेतु संकल्प लिया गया है। संल्कप शिविर में हजारों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नंदकुमार बघेल के निधन पर वरिष्ठ नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल के निधन पर प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, हिमांचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुख्खू, कमलनाथ, पीएल पुनिया, अशोक गहलोत, सचिन पायलट, विवेक तन्खा, कुमारी सेलजा, बीके हरिप्रसाद सहित देशभर के अनेकों नामचीन हस्तियों ने भूपेश बघेल से फोन पर चर्चा कर अपनी संवेदनायें प्रकट किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी श्रद्धांजलि अर्पित किया है। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मंत्री रवीन्द्र चौबे, ताम्रध्वज साहू, मोहन मरकाम सहित प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं सहित अनेकों विधायकों, कांग्रेस नेताओं ने पाटन सदन पहुंचकर स्व. नंदकुमार बघेल के पार्थिक शरीर पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्व. नंदकुमार बघेल वंचित वर्ग की लड़ाई के ध्वजवाहक थे। उनका समाजवादी चिंतन आज भी प्रासंगिक।

धान खरीदी केंद्रों में 10 फरवरी तक धान का उठाव सुनिश्चित करें: मंत्री दयालदास बघेल

सभी अधिकारियों को सजगता और संवेदनशीलता के साथ काम करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्री दयालदास बघेल ने आज बेमेतरा के कलेक्ट्रेट सभागार में जिला अधिकारियों बैठक लेकर जिले में संचालित शासन की कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों में 10 फरवरी तक धान का उठाव करना सुनिश्चित करें। सभी अधिकारियों को सजगता और संवेदनशीलता के साथ लोगों की समस्याओं के निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में विधायकद्वय दीपेश साहू और ईश्वर साहू भी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि ग्रामीणों की राजस्व प्रकरण एवं जमीन संबंधित समस्याओं का मौके पर निराकरण होना चाहिए। उन्होंने विवादित, अविवादित सीमांकन आदि प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारियों, खाद बीज की उपलब्धता एवं उठाव की जानकारी लेकर लंबित भुगतान और प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री श्री बघेल ने जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक से जिले में अवैध शराब और नशीली दवाइयों की अवैध बिक्री पर तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में श्री बघेल ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में शिशु और मातृ मृत्यु दर पर प्रभावी नियंत्रण पर जोर दिया साथ ही उन्होंने मातृत्व स्वास्थ्य की रिपोर्टिंग को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। किसी भी रोग के संक्रमण की स्थिति से निपटने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया। मंत्री श्री बघेल ने सुपोषण, पोषण पुनर्वास केन्द्रों में बेहतर परिणाम के लिए स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमलों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने को कहा। उन्होंने अस्पताल, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों, स्वास्थ्य अमलों और मेडिकल उपकरणों तथा दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग, ब्लड-बैंक तथा अन्य योजना सहित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी ली। समीक्षा बैठक शुरू होने से पहले सभी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम मे वर्चुअल माध्यम से जुड़कर लाइव प्रसारण देखा। लाइव प्रसारण मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सम्पूर्ण भारत में चल रहे विकसित भारत संकल्प रथ यात्रा और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी लेते हुये सभी पात्र हितग्राहियों से बात की और उनका हौसला बढ़ाया। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों खासतौर पर वंचित लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने प्रारंभ किए जा रहे हैं। मंत्री श्री बघेल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के आयोजन के संबंध में कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्धारित रूट के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। उन्होंने यात्रा हेतु रूट चार्ट तैयार करने और प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इससे पहले कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिले में चल रहे विकास कार्यों, राज्य और केन्द्र शासन की विभिन्न योजनाओं व गतिविधियों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी।

लोलेसरा में संत समागम मेला का होगा भव्य आयोजन - बघेल

रायपुर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि बेमेतरा जिले के लोलेसरा में इस वर्ष भी संत समागम मेला का भव्य आयोजन होगा। मंत्री श्री बघेल ने स्थानीय विधायक दीपेश साहू के साथ 12 से 15 जनवरी तक होने वाले चार दिवसीय आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्था करने निर्देश दिए। बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने मंत्री श्री बघेल को आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। गौरतलब है कि बेमेतरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम लोलेसरा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंथ हुजूर उग्रनाम साहब स्मृति संत समागम मेला का आयोजन किया जा रहा है। लोलेसरा में होने वाले आयोजन की विशालता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि प्रदेश से ही नहीं, अन्य प्रदेशों से भी काफी तादाद में कबीर पंथ के अनुयायी शामिल होते हैं। इस आयोजन की चर्चा अब दूर-दूर तक होने लगी है। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने मेला के शांतिपूर्ण आयोजन हेतु व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही मेला स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बेमेतरा कलेक्टर ने मेला स्थल का निरीक्षण कर मंच व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत व्यवस्था आदि की जानकारी ली। मुख्य नगर पालिका अधिकारी बेमेतरा को साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने, मेला स्थल मे सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ करने पुलिस अधीक्षक क़ो निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती लीना कमलेश मण्डावी, एडीएम डॉ. अनिल बाजपेयी, ए.एस.पी. पंकज पटेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बेमेतरा सुश्री सुरुचि सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी और मेला आयोजन समिति के पदाधिकारी, सरपंच प्रतिनिधि गण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

सुविधाएं सुनिश्चित करने और चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज पंडरी स्थित जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के समस्त विभागों की सुविधाएं, मरीजों की देखभाल, और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की जानकारी ली। कलेक्टर ने अस्पताल को स्वच्छ, और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों से सद्व्यवहार करने और यथासंभव सहयोग करने कहा। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के सीईओ विश्वदीप और सिविल सर्जन मौजूद थे ।

कलेक्टर डॉ सिंह ने कैजुअल्टी वार्ड का निरीक्षण किया जहां पर अस्पताल के मरीज श्री नवीन गोस्वामी से उन्होंने मिलकर उनका हाल-चाल जाना और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। इसके बाद उन्होंने सीटी स्कैन रूम का निरीक्षण किया और सीटी स्कैन रूम की सुविधा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला अस्पताल में उपलब्ध सीटी स्कैन की सुविधा का प्रचार-प्रसार करने कहा ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठाएं। साथ ही यह सुविधा मरीजों के लिए न्यूनतम कीमत में उपलब्ध कराने निर्देश दिए।

उन्होंने अस्पताल में हर दिन हो रहे टेस्ट के बारे में जाना, हमर लैब में डॉक्टरों ने बताया कि लैब में टेस्ट पूर्ण रूप से नि:शुल्क हो रहे हैं। इस लैब के चिकित्स तथा कर्मचरियों के कार्य को उन्होने सराहा। इसके बाद उन्होंने कोविड केयर यूनिट्स का निरीक्षण किया और पोर्टेबल कॉविड केयर यूनिट्स की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था, साथ ही उनके परिजनों के लिए खाने की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली और सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर व्यवस्थित करने को कहा।

उन्होंने कहा की सभी डॉक्टर्स संवेदनशीलता के साथ काम करें। जिससे लोगों के बीच अच्छा संदेश जाएगा इससे अस्पताल की गरिमा बढ़ेगी। इमरजेंसी केस आने पर चिकित्सक अपने ड्यूटी के बाद भी अतिरिक्त समय लेकर अवश्य ईलाज करें। इससे मरीजों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर चिकित्सक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

टीम वर्क के साथ काम करें

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने रेडक्रास भवन के सभागृह में समम सीमा की बैठक ली। उन्होने कहा कि अधिकारीगण शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक आम जनता को दिलाए। ऐसा कार्य करें कि लोगो का हित हो , यदि वे किसी शासकीय कार्य के लिए कार्यालय आते है तो निराश होकर न जाए। टीम वर्क के साथ काम करें। इस बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के सीईओ श्री विश्वदीप उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि अधिकारी समय पर कार्यालय पहुंचे और कार्यालय में अनुशासन बनाए रखें। कार्यालय स्थल पर साफ-सफाई रहें। साथ अधीनस्थ कार्यालय में व्यवस्था बनाए रखें। टेबल मे फाईल पेडिंग ना रहे,,जो कार्य जिस समय सीमा में हो सकता हो उसे उस अवधि में पूर्ण करें और परिणाम तक पहुंचाए। उन्होने कहा कि जिले के नगरीय निकाय लोगों की बुनियादी जरूरते जैसे पानी, साफ-सफाई और बिजली इत्यादि का विशेष ध्यान रखें। अर्न्तविभागीय समन्वय से कार्य को अमलीजामा पहनाए।

जनचौपाल में विद्युतीकरण और अन्य समस्याओं के लिए नागरिकों ने कलेक्टर को दिया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह द्वारा लगाए गए जन चौपाल में 77 आवेदन प्राप्त हुए। यह कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आयोजित की गई। इसमें विद्युतीकरण, आदर्श पाठशाला में अहाता निर्माण सहित अन्य आवेदन शामिल थे। डॉ सिंह ने जनचौपाल में पहुंचे आमजनों से उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए एवं नियमानुसार त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

जनचौपाल में रमण मंदिर वार्ड निवासी श्रीमती रोशनी जोगी, लक्ष्मी यादव, पुष्पा बाई, हीरा लाल साहू और अमर टण्डन ने अमृत मिशन योजना के अंतर्गत नल कनेक्शन दिलवाने आवेदन दिया। अवंती विहार कॉलोनी के श्री जेपी मिश्रा ने गौरव पथ पर लग रहे अवैध बाजार को हटाने, अभनपुर निवासी बोधन लाल फरिकार ने शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटवाने, पारागांव के समस्त ग्रामवासियों द्वारा लगाए जा रहे गिट्टी क्रेशर प्लांट पर रोक लगाने, चूनाभट्टी निवासी अमरदास टण्डन ने मकान का आवासीय पट्टा बनवाने, ग्राम पंचायत और परसदा के सरपंच कोमल साहू द्वारा मनरेगा अंतर्गत चेकडेम निर्माण की स्वीकृति देने भीमनगर निवासी अनिल बोरकर ने विवाह प्रोत्साहन राशि दिलाने आवेदन दिया। इसी प्रकार गुढ़ियारी निवासी सुखराम सारंग ने निजी भूमि पर अन्य व्यक्तियों द्वारा कब्जा की शिकायत की। वहीं प्रोफेसर कॉलोनी निवासी हेमन्त साहू ने मोहल्ले में नाली निर्माण कराने, रावतपुरा फेस-2 निवासी हेमलता साहू ने विधवा पेंशन जारी करने आवेदन प्रस्तुत किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बड़ी कठिन है डर की डगर!

डर के साये में एक लंबा जीवन बिताने के बाद अकसर लोगों को समझ आता है कि वे अपने डर से कहीं ज्यादा मजबूत हैं। दूसरे सभी भावों की तरह डर भी एक भाव है, हमारा पूरा जीवन नहीं। अपने डर को देखें, उसे कुछ देर खेलने दें, पर उसे खुद पर हावी न होने दें। रुक जाना ठीक है, रुके रह जाना नहीं।

खूबसूरत जिंदगी

न्यूरो इमोशनल कोच और लेखिका। हानि पहुंचाने वाले इमोशनल पैटर्न को समझने और उनकी हीलिंग पर जोर।

डायना बर्ड

पिछले कुछ समय से डर मेरे शरीर में दौड़ रहा है और कोई खेल-सा खेल रहा है। यहां खेल शब्द का इस्तेमाल मैं इसलिए कर रही हूं कि क्योंकि मेरे पेशे में भावनाओं को स्वीकार कर उनके साथ काम किया जाता है। डर भी एक प्रकार का भाव ही है। आपका मन कुछ भी कहे, पर यह कोई ऐसा भाव नहीं है, जो आपको बर्बाद करने या कमतर महसूस करवाने की कोशिश करता है।

दशकों तक भय मेरे जीवन का केंद्र बना रहा और महसूस होता था, मानो यह मेरे सभी निर्णयों व पूरे जीवन को हांक रहा हो। अपने हर काम में मुझे डर का अनुभव होता था। नतीजतन, मैं ऐसे निर्णय लेती थी, जिनमें मुझे सबसे कम डर लगे क्योंकि हर एक चीज मेरे भीतर भय उत्पन्न कर देती थी। लेकिन, अब मुझे समझ आ गया है कि मुझे ताउम्र डर के साये में क्यों जीना पड़ा? हर स्थिति मुझे आपातस्थिति की तरह क्यों लगती रही? और क्यों मैं सदैव संभावित खतरों को भांपने का प्रयास करती रही।

अपने आप को सामान्य बनाने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। ताकि हमेशा अत्यधिक सतर्क रहने की बजाय मैं शांत, सुरक्षित, बेहतर और तरोतजा महसूस करते हुए वर्तमान का आनंद उठा सकूं। इसका यह अर्थ नहीं है कि डर चला गया है। भय सहित सारी संवेदनाएं हमेशा साथ ही रहेंगी। ये सभी भाव बादलों की तरह हमारे जीवन में आते-जाते रहते हैं। हमारे दिमाग का एक खास हिस्सा इन संवेदनाओं को जन्म देता है, जो हमें इनसान बनाता है और प्यार भरे रिश्ते कायम करने में मदद करता है। अब मुझे भी इस डर के साथ जीना व अपने शरीर में महसूस करना आ गया है।

मैं जानती हूं कि कब इस भय की तीव्रता इतनी

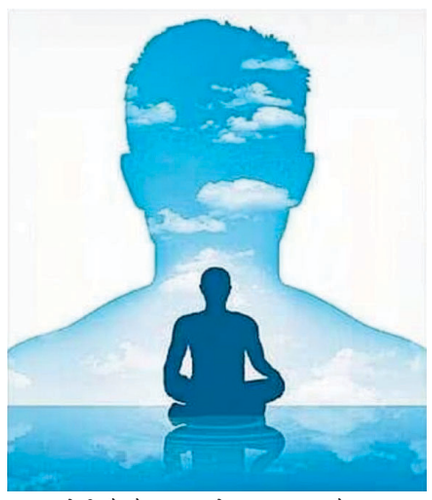

ज्यादा होती हैऔर तब मुझे क्या करना है। पर, इन सबके बावजूद यह अभी भी असहज कर देने वाला अहसास है। पहले मैं इस भय को स्वीकार नहीं करना चाहती थी। क्योंकि मुझे लगता है कि इससे यह मेरे ऊपर हावी हो जाएगा। मानो मुझे तहस-नहस कर देगा व स्थितियां मेरे नियंत्रण से बाहर हो जाएंगी। लिहाजा, मेरा दिमाग मुझे पहले ही चेतावनी देकर स्वयं को सुरक्षित रखने की सोच की ओर धकेलने लगता था। लेकिन, मैं अपनी संवेदनाओं पर काम करने का निर्णय ले चुकी हूं। जान चुकी हूं कि ऐसा नहीं किया तो शायद फिर से डर का भाव मेरे जीवन पर हावी हो जाएगा।

इसलिए अब मैं एक नर्म मुलायम कंबल में चाय की प्याली लेकर बैठती हूं और अपने डर से बात करती हूं—

'क्या हाल है डर, तुम फिर आ गए। मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकती हूं?'

डर— मैं तुम्हें सुरक्षित रखना चाहता हूं क्योंकि बाहर की दुनिया बहुत खतरनाक है।

'ठीक है, मैं समझ गई कि तुम असुरक्षित महसूस कर रहे हो, लेकिन तुम्हें क्या चाहिए?'

डर— मैं चाहता हूं कि कोई मुझे संभाल ले, क्योंकि मैं सुरक्षित महसूस करना चाहता हूं।

'मैं तुम्हें संभालने में पूरी तरह सक्षम हूं, इसलिए घबराओ नहीं। मैं जानती हूं कि तुम चाहते हो कि सब ठीक हो जाए। इसलिए मैं तुम्हारे साथ हूं।'

डर— मैं रोना चाहता हूं, मुझे घबराहट हो रही है।

'यदि तुम रोना चाहते हो तो ऐसा जरूर करो। मैं तुम्हें संभाल लूंगी। इसके बाद मैं रोने लगती हूं, क्योंकि मैं डरी हुई हूं। पर, मैं ये भी जानती हूं कि खुद को संभाल लूंगी।'

अपना खयाल रख पाने का अहसास मेरे भीतर बहादुरी का भाव भर देता है। अपने डर को स्वीकार करके बहादुरी से उसका सामना करने का भाव मेरे भीतर से असहजता को धीरे-धीरे खत्म करने लगता है।

अपने डर के साथ बैठना कुछ ऐसा है, मानो आपने अपने सहमे बच्चे को सीने से लगा रखा हो। ऐसा करते समय मैं अपनी अंतरात्मा के उन हिस्सों को दुलारती हूं, जो मुझे शर्मिंदा और असहज बनाते हैं। मैं स्वयं को बेहतर महसूस करने के लिए ना ही प्रोत्सहित करती हूं और ना भ्रम में रखती हूं कि डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि डरना बुरी बात नहीं है। मैं सिर्फ शांत बैठकर अपनी भावनाओं को महसूस करती हूं और जिस प्रेम भाव की वह मांग करती हैं, उन्हें वही देती हूं।

दुनिया तो सवाल उठाती ही है और आपकी स्थिति नहीं समझती है। इसलिए इस दुनिया में प्रेम की कमी और खतरों की भरमार है। पर, हमारे शरीर व आत्मा को इस हिंसा का माध्यम नहीं बनना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले स्वयं से प्रेम करना शुरू करें, ताकि दूसरों के प्रति वही भाव महसूस किया जा सके। बेशक यह आसान नहीं है, लेकिन हम ऐसा कर पाएं तो पीढी दर पीढी तक महसूस किए जाने वाले भय और पीड़ा को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

www.diana-bird.com

अपने डर के साथ बैठना कुछ ऐसा है मानो आपने अपने सहमे हुए बच्चे को सीने से लगा रखा हो और यही जरूरी है कि स्वयं को एक बच्चे की तरह दुलारा और संभाला जाए। जब भी मुझे डर लगता है, मेरे भीतर की वो छोटी-सी लड़की सहम जाती है और चाहती है कि कोई उसे गले लगा ले। उसे प्यार से संभाल लेने की मेरी क्षमता दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास है। उस समय मैं अपने उस हिस्से से जुड़ा हुआ महसूस करती हूं, जो भावनात्मक रूप से टूटा हुआ है।

बाल मन को भी चाहिए प्यार-दुलार

बदलते दौर में परवरिश का तरीका बदला है, तो चुनौतियां भी। बच्चों में बढ़ रहा तनाव एक ऐसी ही चुनौती है। कैसे अपने बच्चे को तनाव और अवसाद से दूर रखें, बता रही हैं स्वाति गौड़

कुछ साल पहले बच्चों के मानसिक सेहत के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक नामी कंपनी द्वारा विज्ञापन जारी किया गया था, जिसने बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उस विज्ञापन में कुछ किशोर बच्चे अपने मन की बातें कह रहे थे, जिनमें पढ़ाई का दबाव, परीक्षा का डर, माता-पिता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के तनाव का जिक्र था। दरअसल, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य उनकी शारीरिक सेहत के जितना ही जरूरी है। लेकिन आमतौर पर माना जाता है कि बच्चों को तनाव नहीं होता। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के आंकड़ों के अनुसार देश में तकरीबन 44 फीसदी छात्र तनाव व अवसाद से जूझ रहे हैं। ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा, जैसे-

नियमित संवाद है जरूरी

अपने बच्चे के साथ खुला और सहज संवाद बनाकर रखें। उनकी भावनाएं समझने की कोशिश करें और यदि वे आपसे कुछ साझा करते हैं, तो उनके ऊपर भरोसा जरूर जताएं। उन्हें यकीन दिलाएं कि आप उनकी परेशानी समझती हैं व उसे सुलझाने के लिए उनके साथ हैं। हमेशा माता-पिता की तरह व्यवहार करने के बजाय अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कायम करें। उनके शौक का हिस्सा बनकर, तल्लीनता से उनकी बातें सुनें। इससे वह आपसे बिना डरे अपनी बातें साझा कर सकेंगे।

अच्छा हो घर का माहौल

सारे दिन की थकान के बाद इंसान जब घर पहुंचता है तो उसकी थकान दूर हो जाती है। लेकिन यदि घर में आए दिन लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं तो उसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों पर बहुत ज्यादा पड़ता है। इसलिए घर का माहौल अच्छा बनाकर रखें, ताकि उन्हें भावनात्मक सुरक्षा का अहसास हो सके।

थोड़ी ढील भी है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना बहुत जरूरी है, लेकिन हर समय इसका पाठ पढ़ाने से वह तनाव की चपेट में आ सकता है। आज के जमाने में छोटी कक्षाओं से ही उन पर पढ़ाई और परीक्षाओं का बहुत दबाव होता है, इसलिए कभी-कभार उन्हें छुट्टी देनी भी जरूरी है, जिसमें वह सिर्फ खेल-कूद और मस्ती कर सकें। ऐसा करने से बच्चा न केवल तरोताजा हो जाएगा, बल्कि उसे भरोसा भी होगा कि आप हर समय सिर्फ सख्ती नहीं बरतती हैं।

डिजिटल डिटॉक्स है जरूरी

शोध भी बताते हैं कि लंबे समय तक सोशल मीडिया का इस्तेमाल तनाव, गुस्सा और डिप्रेशन जैसी समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए घर में इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर नियम बनाएं और स्वयं भी उसका पालन करें।

बचपन से ही अपने बच्चे में अच्छी आदतों की नींव डालें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय से जागने और सोने का सही समय तथा भावनात्मक स्थिरता कुछ ऐसे अच्छे गुण हैं, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने के लिए जरूरी हैं।

अपने बच्चे को व्यवहारिक बनने का हुनर सिखाएं, ताकि वह जीत की खुशी के साथ हार को भी सकारात्मक तरीके से स्वीकार सके। जब हम खुले दिल से परिणाम स्वीकारना सीख जाते हैं, तो तनावग्रस्त होने की आशंका अपने आप कम हो जाती है। तमाम बातों का ध्यान रखने के बावजूद भी अगर आपका बच्चा तनाव से निकल नहीं पा रहा, तो पेशेवर से मदद लें। (फोर्टिस हेल्थकेयर में क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट मीमांसा सिंह तंवर)

मन को सहेजें, संवर जाएगी जिंदगी भी

नया साल अपने साथ नया उत्साह और नई उम्मीदें तो लेकर आता है, पर क्या इस बदलाव का आपकी जिंदगी पर भी कोई असर पड़ता है? क्या यह साल अपने साथ आपकी जिम्मेदारियों को कम करने का कोई तरीका लेकर आया है? क्या आपके दैनिक जीवन में तनाव का स्तर थोड़ा कम हुआ है? नहीं ना! साल बदला है, पर हम महिलाओं की स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया है। कारण...बचपन से ही आपने अपनी मां, मौसी, चाची, बुआ को यूं ही किसी से बिना शिकायत किए चुपचाप जिम्मेदारियों को निभाते देखा है। इस साल आप उनका साथ दें और अपनी जिंदगी में कुछ तब्दीलियां करें, ताकि आपकी जिंदगी से तनाव, गुस्सा व अवसाद थोड़ा कम हो और खुशियों की आमद बढ़े।

एक साथ कई जिम्मेदारियां महिलाओं की जिंदगी में तनाव का खतरा कई गुना बढ़ा देती हैं। लेकिन खुशहाल जिंदगी के लिए मानसिक व शारीरिक सेहत, दोनों की देखभाल जरूरी है। इस साल कैसे संवारें अपने मन की सेहत, बता रही हैं शाश्वती

ये हैं तनाव के लक्षण

भावनात्मक लक्षण:- लगातार चिंतित रहना, मूड स्विंग होना, चिड़चिड़ापन रहना, गुस्सा करना, अकसर छाने वाली उदासी, उन गतिविधियों के प्रति अरुचि जो पहले पसंद थीं, उदासीन महसूस करना, ध्यान करने में परेशानी होना या बार-बार भूलना आदि।

शारीरिक लक्षण:- सिर और शरीर में दर्द रहना, नींद से जुड़ी परेशानियों का होना, पाचन तंत्र से जुड़ी गड़बड़ी,उच्च रक्तचाप की समस्या आदि होना।

व्यवहारगत लक्षण:- खानपान संबंधी आदतों में बदलाव आना, लोगों से मिलना-जुलना कम या बंद करना, जिम्मेदारियों से बचना, नाखून चबाना या बहुत तेज-तेज चलना आदि समस्याएं हो सकती हैं।

सीखें ना कहना भी

हम सभी अपने आसपास के लोगों को हमेशा ही खुश देखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें ना बोलना हमारे लिए मुश्किल हो जाता है। अगर आपको इसमें भी दिक्कत आ रही है, तो यह सोचें कि सामने वाले को ना बोलकर हम खुद को 'हां' बोल रहे हैं। किसी को ना बोलने से पहले यह भी सोचें कि क्या आपके अलावा वह काम कोई और कर सकता है? अगर जवाब हां, है तो बिना झिझक के सामने वाले को मना करें। क्या आपके ना कहने से कुछ बुरा हो जाएगा? अगर नहीं, तो भी आराम से ना बोलें।

तनाव की असली वजह

महिलाओं को अपनी जिंदगी में तनाव का सामना पुरुषों की तुलना में कहीं ज्यादा करना पड़ता है, क्योंकि अधिकांश महिलाएं एक साथ कई भूमिकाएं निभाती आ रही हैं। वो पत्नी, मां, बेटी, बहू और एक कामकाजी महिला की भूमिका एक साथ निभाती हैं। लगातार की जाने वाली इस मल्टीटास्किंग का असर उनकी शारीरिक सेहत के साथ ही मानसिक सेहत पर भी पड़ता है। एक शोध के मुताबिक इस दोहरी जिम्मेदारी की वजह से 80 से ज्यादा महिलाओं को तनाव का सामना करना पड़ता है। कामकाजी दुनिया में महिलाओं की बढ़ती दखल के बावजूद समाज और परिवार की अपेक्षा यही है कि हम अपनी दो पीढ़ी पहले वाली महिलाओं जैसे ही घर और परिवार की जिम्मेदारी उतनी ही शिद्दत से निभाएं। इस पारंपरिक सोच का महिलाओं की शारीरिक व मानसिक सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में अगर आप अपने जीवन स्तर में सुधार लाना चाहती हैं, तो बदलाव का रास्ता सिर्फ और सिर्फ खुद की देखभाल से होकर गुजरता है। इस बात को स्वीकारिए कि जब तक आप खुद की देखभाल नहीं करेंगी, तब तक दूसरों का ध्यान भी नहीं रख पाएंगी। अच्छी मानसिक सेहत के लिए कैसे करें खुद की देखभाल, आइए जानें

मी-टाइम से दूर रहेगा तनाव

कोई हॉबी विकसित कीजिए और उसे नियमित रूप से करें। कुछ और नहीं तो अपनी पसंदीदा चाय या कॉफी बनाएं और बाहर बालकनी में बैठकर यूं ही आसमान को निहारते हुए चुस्कियां लें। इस तरह नियमित रूप से मी-टाइम निकालना खुद की देखभाल की दिशा में आपका पहला कदम साबित होगा। अपने लिए वक्त की कमी के कारण जिंदगी में तनाव बढ़ता है, जो डायबिटीज और दिल की सेहत से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ाता चला जाता है। आप तनाव से दूर रहेंगी, तो आपको नींद भी अच्छी आएगी, जिसका आपके संपूर्ण सेहत पर सकारात्मक असर पड़ेगा। अगर अपने लिए वक्त निकालना बहुत मुश्किल हो रहा है, तो बच्चे के साथ ही उसकी ही हॉबी क्लास को ज्वॉइन कर लें। आपको मजा आएगा और मन भी पूरी तरह से रिफ्रेश हो जाएगा।

घर का काम नहीं है व्यायाम

घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच खुद को अनदेखा करना हम महिलाओं की आदत है। पर, इस बात को समझें कि दिन भर अपने बच्चे के पीछे-पीछे भागना या घर के तमाम काम करना ना तो व्यायाम का विकल्प है और ना हो सकता है। व्यायाम का मतलब है, कम-से-कम 45 मिनट तक लगातार कोई शारीरिक गतिविधि करना, इस दौरान कैलोरी का बर्न होना और हृदय की गति का तेज होना जरूरी है। व्यायाम को अपने रुटीन का हिस्सा बनाएं। इससे ना सिर्फ आपकी शारीरिक सेहत दुरुस्त रहेगी, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी व्यायाम जरूरी है। इससे शरीर में एंडॉर्फिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जिससे मन खुश रहता है।

शुरू करें मन की बातों को लिखना

आपके मन में ढेरों भाव और बातें आती हैं। पर, क्या आप उनको जाहिर कर पाती हैं? घर के किसी सदस्य की कही बातें चुभ गई हैं, तो क्या उन्हें स्पष्ट तौर पर कह पाती हैं? ऑफिस के गॉसिपिंग का सामने आकर सामना कर पाती हैं? जवाब अगर ना है, तो मन को चुभने वाली इन बातों को नियमित रूप से एक डायरी में लिखना शुरू कर दीजिए। शोध की मानें तो अच्छी मानसिक सेहत में जर्नलिंग एक उपयोगी टूल साबित होता है। जर्नलिंग यानी मन की बातों को डायरी में लिखना। इससे परेशान करने वाली बातों को जाहिर करने का जरिया मिलेगा औरआप रोजमर्रा के तनाव से दूर रहेंगी। (एशियन हॉस्पिटल में मनोरोग विभाग की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. मीनाक्षी मनचंदा)

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

किसान क्रेडिट कार्ड योजना से सियाराम बने सफल कृषक

कांकेर। नरहरपुर विकासखंड के गांव मावलीपारा के कृषक सियाराम कोसमा किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाते हुए निरंतर प्रगति कर रहे हैं और सफल कृषक के रूप में उभरे हैं। ग्राम पंचायत मावलीपारा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' के जरिए बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से सोसायटी से खेती कार्य हेतु जरूरत के अनुसार ऋण लेते आ रहे हैं और कृषि उत्पादन में वृद्धि से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। सियाराम कोसमा ने बताया कि उनकी लगभग 9 एकड़ की जमीन है। पहले खेत में सिंचाई की सुविधा नहीं होने के कारण एक ही फसल ले पाते थे और सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता था। फिर उन्होंने बासनवाही सोसायटी से किसान क्रेडिट कार्ड से अपने खेतों में सिंचाई हेतु पम्प स्थापित करने के लिए ऋण लिया। इसके बाद सिंचाई की सुविधा मिलने के बाद फसल उत्पादन बढ़ता गया और केसीसी के माध्यम से खेतों में एक-एक करके दो पम्प और स्थापित किया। आज उनके खेतों में सिंचाई के लिए एक सोलर पंप सहित कुल तीन पंप है और सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध होने के कारण खरीफ के साथ रबी फसल भी लेते हैं। इससे उत्पादन भी दुगुना हुआ और आय में भी वृद्धि हुई है।

शालाओं में 100 प्रतिशत रिजल्ट लाए - कलेक्टर

दंतेवाड़ा। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने सोमवार को गीदम विकासखण्ड में स्थित एजुकेशन सिटी जावंगा का अवलोकन किया। आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल में पहुंचकर स्कूल में संचालित पढ़ाई एवं अन्य गतिविधियों का निरीक्षण कर जानकारी ली। आस्था विद्यालय प्राचार्य ने एजुकेशन सिटी एवं विद्यालय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर ने शाला परिसर में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों की गतिविधि से संबंधित जैसे खेल तथा रचनात्मक गतिविधियों और अन्य प्रकार की सुविधाएं करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि शालाओं का रिजल्ट 100 प्रतिशत होना चाहिए, उसी प्रकार की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई कर बच्चों को फोकस करें। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि बच्चों को उनके स्तर के अनुसार चयन करें, यदि कुछ बच्चों का शैक्षणिक स्तर औसत से कम है तो क्लास टीचर स्वयं प्रतिदिन बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें ताकि बच्चों का औसत स्तर बढ़ सके। इसके साथ ही बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना अति आवश्यक है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में आमजनों की सुनी समस्याएं

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में जनदर्शन के माध्यम से आमनागरिको की समस्याएं सुनी। जिले के ग्रामीणजन और नागरिक जनदर्शन में अपनी छोटी - बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रख रहे हैं। जिसका जिला प्रशासन द्वारा यथासंभव तेजी से निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आज जनदर्शन में तहसील जांजगीर के ग्राम धराशिव निवासी जितेंद्र कुमार सूर्यवंशी ट्राई सायकल दिलाने, नवागढ़ अंतर्गत ग्राम खैरताल निवासी प्रीति कश्यप प्रधानमंत्री आवास दिलाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम लोहर्सी निवासी पुकराम खुटे राशन कार्ड, अकलतरा विकासखंड के ग्राम पौना निवासी शोभाराम पटेल सोलर पंप दिलाने, चांपा के ग्राम सिवनी निवासी पटवारी हल्का में सुधार कराने, ग्राम कोसमन्दा निवासी रामधन यादव किसान सम्मान निधि दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

स्कूली बच्चों को संस्कारित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका - राजस्व मंत्री

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजना अंतर्गत शिक्षादूत एवं ज्ञानदीप पुरस्कार से 18 शिक्षक हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि स्कूली बच्चों को संस्कारित करने शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे आज जिला मुख्यालय बलौदाबाजार-भाटापारा में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में नवाचारी रचनात्मक प्रयोग हेतु जिले के 18 शिक्षकों को शिक्षादूत एवं ज्ञानदीप पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षादूत के लिए 15 एवं ज्ञानदीप के 3 शिक्षक शामिल हैं।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष नंदकुमार साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों को बच्चों को ज्ञानरूपी संस्कार देकर गढ़ने का काम पूरी ईमानदारी और मेहनत से करना चाहिए। यही बच्चे आने वाले दिनों में देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे अनेक उदाहरण है जब शिक्षकों ने समाज और देश को नई दिशा दी है।

उन्होंने शिक्षकों की मेहनत और लगन को प्रोत्साहित करने के लिए तत्कालीन शिक्षा मंत्री केदार कश्यप के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि उनकी पहल पर यह पुरस्कार शुरू किया गया था। कार्यक्रम कोविजय केसरवानी, चित्तावर जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष नंदकुमार साहू ने भी संबोधित किया।

शिक्षादूत से सम्मानित शिक्षकों को 5 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि सहित प्रतीक चिन्ह, श्रीफल एवं साल भेंट की गई है। इसी तरह ज्ञानदीप के लिए सम्मानित शिक्षकों को 7 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि सहित प्रतीक चिन्ह, श्रीफल एवं साल मुख्य अतिथि के द्वारा भेंट की गई हैं। सम्मानित शिक्षकों में प्रधानपाठक भुनेश्वर प्रसाद चन्द्रा, श्रीमती प्रणिता वर्मा और श्री परमानंद साहू तथा सहायक शिक्षकों में श्रीमती शालिनी कश्यप, श्रीमती सीमा जायसवाल, विजय सिंह पैकरा, तेजनाथ साहू, सुनीता जायसवाल, घनश्याम प्रसाद वर्मा, श्रीमती संध्या पैकरा,तानसेन कुर्रे, क्षिप्रा अग्रवाल, श्रीमती मेघा वर्मा, श्रीमती पीयूष रामपुरीक, संजू राम निर्मलकर शामिल हैं। इसी तरह ज्ञानदीप से सम्मानित हुए शिक्षकों में शिक्षक श्रीमती कुसुम बागड़े, हेम कुमार देवांगन और रमाशंकर साहू शामिल हैं। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी बी.एल. देवांगन, जिला मिशन समन्वयक एम.एल. ब्राम्हणी, श्री राव, सहायक संचालक के.एस. मेरावी, बी.आर.पटेल, के.के. गुप्ता सहायक कार्यक्रम समन्वयक मनहरण लाल साहू, जहीर अब्बास, खिलावन वर्मा एवं अरूण वर्मा सहित शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर से ग्रामीण जन हो रहें लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आज जिले के 8 ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीण स्तर पर यात्रा का आयोजन होने से, बड़ी संख्या में ग्रामीण जन लाभान्वित हो रहे हैं। इससे ग्रामीण जनों की तकदीर बदलने में मदद मिल रही है। ग्रामीण जनों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

शिविर में जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारीगण उपस्थित होकर नागरिकगणों की समस्याओं को सुनने के साथ ही विभिन्न योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित कर रहे हैं। इससे अनेकों हितग्राहियों को राहत मिल रहा है। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण, आधार अपडेशन, हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने मेरी जुबानी मेरी कहानी के माध्यम से योजना से मिले लाभ और उनके जीवन में आये परिवर्तन के संबंध में अपनी बात रखी। एलसीडी प्रोजेक्टर वैन के माध्यम से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीति, योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की जानकारी प्रदर्शित किया गया। माटी कहे पुकार के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राओं ने नाटक के माध्यम से धरती की सुरक्षा करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने की प्रस्तुति दी। विकसित भारत संकल्प यात्रा अनेकों ऐसे हितग्राही जो योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रहे हैं, उनके लिए सार्थक साबित हो रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर एक मिसाल बना है, जो हितग्राहियों के लिए योजनाओं का लाभ लेने के लिए मददगार साबित हो रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मोहला अंतर्गत आयोजित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कंचना वाल्दे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रियवंदा रामटेके सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

पक्के घर और उज्ज्वला गैस से बदल रही जीवन शैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं। गांवों गरीब परिवारों को पक्के घर और उज्जवला गैस के साथ ही बुनियादी सुविधाओं की पहुंच से ग्रामीणों की जीवन शैली में बदलाव आ रहा है।

सरगुजा संभाग के कोरिया जिले में लगाए जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत बैकुण्ठपुर विकासखंड ग्राम आमी में लगाए गए शिविर में भारत सरकार के संयुक्त सचिव और जिले के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी श्री अनुपम मिश्रा भी शामिल हुए। शिविर में 70 वर्षीय महिला ने पारंपरिक सुवागीत 'चल झूला झूल..गोंदा के फूल' गीत गाकर शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। इस दौरान श्री मिश्रा ने शिविर में लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों से चर्चा भी की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि योजनाओं का लाभ जिनकों मिले हैं, उन्हें बहुत बधाई लेकिन उनकी जिम्मेदारी यह भी है कि वे अपने परिचितों तथा आसपड़ोस को भी इन योजनाओं से जुड़ने, उनसे मिलने वाले लाभ के बारे में बताएं ताकि हर ग्रामीण सशक्त हो और सरकार की मंशा पूरा हो। ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को लाभ मिले इसलिए योजनाओं के बारे में जानकारी दें ताकि दूरस्थ अंचल में रहने वाले लोगों को भी इसका फायदा मिल सके। भारत सरकार के संयुक्त सचिव अनुपम मिश्रा को बैंकिंग कॉरेस्पांडेंट (बीसी) सखी से जुड़ी श्रीमती कांति प्रजापति ने बताया कि अब 15 से

20 हजार रूपए तक पारिश्रमिक मिलने से घर की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। बता दें बीसी सखी का मुख्य कार्य ग्रामीणों तक बैंकिंग सेवाओं को पहुंचाना है, इससे हर तरह के आर्थिक लेनदेन, बैंक खातों में जमा व निकासी, नए खाते खोलने की सुविधा पहुंचाना है। श्री मिश्रा ने सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें बहुत आगे बढ़ने तथा ज्यादा से ज्यादा बचत के महत्व तथा बैंक खाता प्रारंभ करने के बारे जानकारी देने कहा।

कहानी, मेरी जुबानी के तहत श्रीमती काजल देवांगन, सुमती चक्रधारी, रजवंती बाई ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेण्डर मिलने पर मोदी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब आंखों में आंसू आना बंद होगा। आनी निवासी किसान प्रदीप शुक्ला ने किसान सम्मान निधि से हुए लाभ के बारे में बताया। उजाला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को बढ़ावा देते हुए बहुत ही समुधर गीत 'बेटी हूं, लिखूंगी, पढ़ूंगी, मेहनत करूंगी, उजाला लाऊंगी' सुनाया।

समय पर हो फाइल का मूवमेंट और प्रभारी अधिकारी रखे कार्यों पर नजर - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्टोरेट में संचालित विभिन्न विभागों के कार्यालयीन शाखाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अधीक्षक शाखा, खनिज विभाग, डीएमएफ भू-अभिलेख शाखा, भू-अर्जन शाखा, नजूल अधिकारी, एनआईसी, न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर, कोषालय, नाजिर शाखा, जिला अंत्यावसायी, खाद्य विभाग, आबकारी, खाद्य आपूर्ति निगम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग एवं जनसंपर्क विभाग सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने कार्यालयों में जाकर विभागीय गतिविधियों सहित शाखा के क्रियाकलापों आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान विभिन्न शाखाओं के अधिकारी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने और शासकीय दायित्वों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शाखाओं के लिपिकों को समय पर कार्य पूरा करने, अनावश्यक किसी फाइल को रोककर नहीं रखते हुए आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित प्रभारी अधिकारियों को भी अपने शाखाओं के गतिविधियों पर नजर रखते हुए समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आवक-जावक शाखा में प्राप्त पत्रों का क्रमवार संधारण के निर्देश देते हुए कहा कि वे स्वयं 15-15 दिन में शाखा का अवलोकन करेंगे।

उन्होंने स्थापना शाखा में टीए-डीए, चिकित्सा दावा, वेतनवृद्धि सहित कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों के पदोन्नति प्रकरणों को समय-सीमा में करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिसर सहित प्रसाधन कक्ष में नियमित साफ-सफाई, लंबित बिलों के निराकरण के निर्देश जिला नाजिर को दिए। उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर में मरम्मत की आवश्यकता वाले स्थानों का चिन्हांकन कर मरम्मत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सूचना के अधिकार शाखा के निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर आवेदक को जानकारी समय पर प्रदान की जाए। रिकार्ड रूम के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अभिलेख सावधानी और सुरक्षा के साथ यथास्थान पर उपलब्ध हो, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त पुराने अभिलेखों का दस्तावेजीकरण करते हुए इसे नष्ट करने के लिए समिति गठित करने और इस कार्य का वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्टोरेट में कार्यरत् सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्यालय में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि शासन द्वारा निर्धारित समय पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी उपस्थिति बायोमेट्रिक में अंगुलियों के निशान के साथ प्रदान करेंगे। इसी तरह कार्यालय से जाने के दौरान शाम को भी बायोमेट्रिक में अपनी अंगुलियों के निशान पंच करने होंगे।

शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 15 से

दुर्ग। बघेरा स्थित परमेश्वरी आश्रम में श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 15 से 23 जनवरी 2024 तक हर्षोल्लास के साथ किया गया है। इस कार्यक्रम में कथा व्यास राष्ट्रीय संत पण्डित राधेश्याम व्यास जी धामपुर उत्तरप्रदेश के ओजस्वी वाणी से शिव महापुराण कथा का श्रवण लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्रम के आरंभ में 14 जनवरी रविवार को दोपहर 2 बजे से विशाल शोभायात्रा गुजराती धर्मशाला लुचकी तालाब से कथा स्थल तक निकलेगी जिसमें लगभग 2000 से अधिक श्रद्धालू महिलाएं कलश यात्रा में शामिल होंगी।

विधानसभा निर्वाचन का मानदेय राशि भुगतान

दुर्ग। दुर्ग जिला में विधानसभा निर्वाचन-2023 में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों का मानदेय भुगतान किया जा चुका है। इस संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी बी.के. दुबे ने अवगत कराया है कि विधानसभा निर्वाचन-2023 संपन्न होने के उपरांत कुल 1485 मतदान केन्द्रों के मतदान दल के कुल 5940 अधिकारियों/कर्मचारियों (पीठासीन अधिकारी) को 1200 रूपए के दर से एवं मतदान अधिकारी 1, 2 एवं 3 को 900 रूपए दर से मानदेय की कुल 57 लाख 91 लाख 500 रूपए का भुगतान उनके बैंक खाते में 29 नवम्बर 2023 को किया गया। राशि का भुगतान 22 दिसम्बर 2023 को किया गया।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
SHIVNATH CIRCLE DURG (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in
CORRIGENDUM No-01

In System Tender 150520 /NIT No. : 38/SAC/2023-24. Chhuikhadan, Dated: 29.12.2023 Whose G-Number is **06815 dated 02/01/2024** following amendment is made :-

S.No	Amendments
1	Bid Start Date and Time: **09.01.2024, 17:31 Hours**
2	Online Tenders are Invited up to **23.01.2024 at 17.30 Hour**
3	Bid Open Start Date and time: **24.01.2024, 11:30 Hours**

Note:- All other terms and conditions will remain be unchanged.

Executive Engineer
Water Resources Division, Chhuikhadan
For, Superintending Engineer,
Shivnath Circle Durg (C.G.)

जी-06966/5

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 29.01.2024 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्र. निविदा सूचना क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सिस्टम निविदा क्र. 150970/ निविदा सूचना क्र. 50/वलेलि/ 2023-24, दुर्ग दिनांक 05.01.2024	दुर्ग जिले के विकासखण्ड दुर्ग की पुलगांव नाला पर रिसामा के पास रपटा कम एनीकट निर्माण कार्य.	रु. 275.79 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस. ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)
सिस्टम निविदा क्र. 150988/ निविदा सूचना क्र. 51/वलेलि/ 2023-24, दुर्ग दिनांक 05.01.2024	दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की खर्रानाला पर रेंगाकठेरा स्टापडेम निर्माण कार्य.	रु. 218.19 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)
सिस्टम निविदा क्र. 150991/ निविदा सूचना क्र. 52/वलेलि/ 2023-24, दुर्ग दिनांक 05.01.2024	दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की कसही नाले के तटबंध पर मिट्टी कटाव रोकने हेतु पिचिंग कार्य.	रु. 293.01 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 12.01.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है.

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है.

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी-06943/5

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(षष्ठम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 150993/निविदा सूचना क्र. 33/वलेलि/2023-24, बालोद, दिनांक 05.01.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 22.01.2024 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम :- बालोद जिले के विकासखण्ड बालोद की बिरेतरा डायवर्सन योजना के शीर्ष कार्य में वियर मरम्मत, आर.बी.सी. आर.डी. 0 मी. से 7320 मी. तक नहर लाईनिंग कार्य तथा 02 नग व्ही.आर.बी. एवं 01 नग डी.सी. का निर्माण कार्य.

अनुमानित लागत :- रु. 281.09 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 01.08.2014 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 12.01.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है.

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है.

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बालोद
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी-06932/7

मथुरावासी चाट सेंटर

शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।

9893283525

जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन

एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
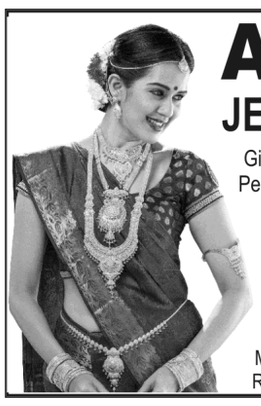
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सहकारी समिति में सेंधमारी चोर ने नगदी के साथ पार किया 3.5 किलो काजू, तलाश में जुटी पुलिस

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाना क्षेत्र में सहकारी समिति में सेंधमारी हुई है। घटना 4-5 जनवरी की दरमियानी रात की है। अज्ञात चोर ने सहकारी समिति में घुसकर 20 हजार रुपए नगदी के साथ ही 3.5 किलो काजू चुरा लिया। दूसरे दिन जब प्रबंधक व अन्य कर्मी सहकारी समिति पहुंचे तो चोरी की जानकारी दी। इस मामले में प्रबंधक की शिकायत पर भिलाई नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

चोरी का यह मामला सेक्टर 5 स्थित देव संस्कार साख सहकारी समिति मर्यादित का है। शाखा प्रबंधक प्रवीण कुमार पटेल ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि सेक्टर 05 सड़क 32 क्वाटर नंबर 1 बी भिलाई मे संचालित देव संस्कार साख सहकारी समिति मर्यादित में 4 जनवरी की शाम से 5 जनवरी की सुबह के बीच चोरी हुई। उन्होंने बताया कि रोज की तरह 4 जनवरी की शाम 5.30 बजे शाखा को बंद किया गया। 5 जनवरी की सुबह शाखा पहुंचे तो देखा कि ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि आलमारी व उसका लाकर टूटा हुआ था। लाकर मे रखी नगदी रकम 20000 रुपए, एक जोड़ी चांदी की पायल, कुछ पीतल के बर्तन व 3.5 किलो काजू चोरी हो गया। इस मामले भिलाई नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने किया सतबहनिया मंदिर हत्याकांड का खुलासा, पांच माह बाद पकड़ाया कातिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अंजोरा चौकी के अंतर्गत सतबहनिया मंदिर में पांच माह पहले हुई हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद पुलिस को आरोपी को शिनाख्त से लेकर उसके कातिल तक पहुंचने में पांच माह से भी ज्यादा का समय लग गया। हालांकि पुलिस को सतबहनिया मंदिर में रहने वाले एक शख्स पर शक था जो कि घटना दिनांक से ही फरार था। सोमवार को वह अपने घर आया था और इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली और आरोपी पकड़ा गया। आरोपी ने हत्या की बात मान ली है। इस मामले में अंजोरा चौकी थाना पुलगांव द्वारा आरोपी रामचरण को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

बता दें कि 30 जुलाई 2023 को सतबहनिया मंदिर रसमड़ा के मंच में अज्ञात पुरूष की लाश मिली थी। 30 से 40 वर्ष के आसपास की उम्र वाले शख्स को किसी ने त्रिशूल से मारकर हत्या की और पहचान छिपाने के लिए उसके सिर पर कंबल डालकर आग लगा दिया। इस मामले में सूचना के बाद पुलिस ने जांच व मौके पर मिले सुबूत के आधार पर 2 अगस्त 2023 को हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। इस मामले को सुलझाने उच्च अधिकारियों के मार्ग दर्शन में अंजोरा चौकी व पुलगांव थाने की पुलिस पतासाजी में जुट गई।

पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया और गांव के लोगों से पूछताछ शुरू की। इस दौरान पुलिस को पता चला कि मंदिर में रहने वाला रामचरण चंद्राकर घटना दिनांक से ही फरार था। पुलिस को रामचरण पर संदेह हुआ और उसकी तलाश तेज कर दी। लगातार उसके शक्तिनगर स्थित घर में पतासाजी की जाती रही लेकिन वह नहीं मिला। इस बीच 8 जनवरी 2024 यानी सोमवार को वह अपने घर पहुंचा था। मुखबिर द्वारा इसकी सूचना मिलने पुलिस ने घेराबंदी की और घर से रेलवे स्टेशन की ओर जाते रामचरण चंद्राकर को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में रामचरण ने बताया कि हत्या उसी ने की। रामचरण ने मृतक का नाम राजू बताया और पुलिस को हत्या की वजह बताई।

अंजोरा चौकी क्षेत्र का मामला, त्रिशुल के साथ मंदिर में अधजली हालत में मिली थी लाश

रायपुर में छिपकर रह रहा था आरोपी

रामचरण ने बताया कि राजू को मारने के बाद वहां से भाग कर रामचरण रसमड़ा रेलवे ट्रेक पर आया। वहां पर एक कोयले से भरी ट्रेन खड़ी थी जिसमें चढ़कर मुढ़ीपार स्टेशन चला गया। मुढ़ीपार से लोकल ट्रेन में बैठक वह रायपुर पहुंचा। राजू के साथ मारपीट के दौरान मेरे बांये पैर में लगी चोट का इलाज कराने मेकाहारा अस्पताल पहुंचा। यहां मेडिकल से दवाई लेकर पट्टी किया बाद रायपुर के चौड़ी गया। जहां से मजदूरी काम मिलने पर काम करता तथा रात को स्टेशन में सोता था। रामचरण ने बताया कि इतने दिन बाद वह अपने घर आया तो देखा कि ताला लगा हुआ है। इस वजह से वह वापस रायपुर जाने निकला था और पुलिस की गिरफ्त में आ गया। पुलिस ने रामचरण की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर लिया।

साल्हेकसा व दर्रकसा के बीच हुई थी पहचान

पुलिस को दिए बयान में आरोपी रामचरण ने बताया कि 27 जुलाई 2023 को लोकल ट्रेन से वह साल्हेकसा महाराष्ट्र में उतरकर पटरी पटरी डिब्बा बीनते हुये दर्रकसा की तरफजा रहा था। इस बीच रेलवे ट्रेक के पास ही उसे एक व्यक्ति मिला। आपस में बातचीत के दौरान उसने अपना नाम राजू बताया। राजू ने अपने आप को बेघर बताते हुए रामचरण से अपने साथ ले जाने कहा। इसके बाद रामचरण उसे सतबहनिया मंदिर रसमड़ा ले आया। मंदिर में कुछ घंटे रूकने के बाद शाम को वह मंदिर से चला गया दूसरे दिन फिर मिला। 28 जुलाई को रात को वह रामचरण के साथ सतबहनिया मंदिर रसमड़ा में रूका सुबह 4 से 5 बजे उठकर चला गया।

मंदिर में शराब व मछली खाने से हुआ था विवाद

इसके बाद तीसरे दिन 30 जुलाई को रामचरण मंदिर में लिपाई के लिए गोबर बिनने चला गया। दोपहर 12 से 1 बजे के बीच वह वापस सतबहनिया मंदिर आया तो राजू एक मोटर सायकल हीरो होंडा स्प्लेंडर से आकर मंदिर में बैठा था। उसने मंदिर में बैठकर मछली खाई और शराब भी पी। यही नहीं उसने बोरे में भरकर रेलवे का सामान चोरी कर लाया। इस पर रामचरण ने उससे कहा कि मंदिर में वह अकेला रहता है और इस प्रकार चोरी का सामान लाने से पुलिस उसे पकड़ लेगी। साथ ही मंदिर में बैठकर मछली खाने व शराब पीने को लेकर भी उसने राजू को फटकार लगाई तो दोनों में विवाद शुरू हो गया।

मंदिर में तोड़फोड़ भी की

रामचरण ने बताया कि विवाद के दौरान राजू उसे गाल देने लग और मंदिर में भी तोड़फेड़ करने लगा। राजू ने माता रानी के मंदिर के अंदर लगे त्रिशुल को तोड़ दिया तथा मंदिर परिसर में स्थापित शिवलिंग में लिपटे नाग के प्रतिरूप को तोड़ने लगा। मना करने पर भी नहीं मान रहा था। इसके बाद रामचरण ने मंदिर में रखी कल्हाड़ी उठाई और राजू को दौड़ाकर उस पर हमला कर दिया। कुल्हाड़ी उसके सिर पर लगी जिससे वह गिर गया। इसके बाद रामचरण ने टूटे त्रिशूल से राजू पर वार कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। राजू की मौत होने से रामचरण डर गया और उसने मंदिर में रखे अपने कंबल व पेपर मृतक राजू के सिर पर डाल दिया और आग लगाकर भाग गया। इस दौरान उसने कुल्हाड़ी को झाड़ियों में छिपा दिया था।

भाजपा नेता की हत्या के बाद पखांजुर में तनाव, विरोध में परलकोट क्षेत्र रहा बंद, जांच के लिए पखांजूर पुलिस ने गठित की एसआईटी

■ रविवार को भाजपा नेता असीम राय की गोली मारकर की गई थी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के भाजपा उपाध्यक्ष असीम राय की रविवार रात गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद सोमवार की सुबह से इलाके में तनाव बना हुआ है। राय के समर्थक और भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए हैं। जगह-जगह रास्ता जाम कर हमलावरों को चिह्नित कर गिरफ्तारी की मांग की जा रही है।

बता दें कि कांकेर के पखांजूर में रविवार रात आठ बजे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष असीम राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन पर आठ वर्ष पहले भी आपसी रंजिश को लेकर हमला किया था, तब हमलावरों की चलाई गई गोली उनके हाथ को छूकर निकल गई थी। हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल रहा। सोमवार को पुराना बाजार इलाके में हुई वारदात के बाद असीम के समर्थकों ने हंगामा मचाया। कांग्रेस पार्षद विकास पाल पर हत्या का आरोप लगाते हुआ उनकी लाज में तोड़फोड़ की।

हत्या के विरोध में नगर बंद

हत्या के विरोध में सोमवार को परलकोट क्षेत्र में बंद का आह्वान किया गया। बंद का यहां व्यापक असर हुआ है। पखांजुर पुराने बाजार चौक, कापसी बाजार चौक मुख्य सड़क पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान इलाके में दुकान-बाजार बंद रहे। चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी स्थिति पर नजर रखे हुए थे।

जांच के लिए पुलिस ने किया एसआईटी का गठन

भाजपा नेता असीम राय हत्याकांड की जांच के लिए एसआइटी गठित की गई है। पुलिस का दावा है कि इस घटना के कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। वहीं इस मामले में कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा ने निष्ठावान कार्यकर्ता खोया है। दोषियों को नहीं छोड़ा जाएगा। जो भी दोषी होगा उप पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्टेशन मरोदा में डिलीवरी बॉय से लूट, कस्टमर का सामान ले कर भागे दो बदमाश, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नेवई थाना क्षेत्र में रविवार को कुरियर कंपनी के डिलीवरी बॉय से लूट हो गई। कस्टमर के सामान की डिलीवरी के लिए स्टेशन मरोदा क्षेत्र में गए युवक से उसी क्षेत्र के दो बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने उसके बैग से कस्टमर का सामान लेकर भाग गए। इस मामले में डिलीवरी बॉय की शिकायत पर नेवई पुलिस ने मोहन सेट्टी एवं राहुल बावरी नाम के बदमाशों के खिलाफधारा 392 के तहत अपराध दर्ज किया। सोमवार को नेवई पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

नेवई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बजरंग नगर उतई निवासी दीपक साहू (24) एक्सप्रेस बिस कंपनी में डिलीवरी बाय का काम करता है। वह स्टेशन मरोदा क्षेत्र में अधिकतर समय डिलीवरी करता है। रविवार को भी वह कस्टमर का सामान लेकर स्टेशन मरोदा क्षेत्र में गया। दोपहर करीब 2 बजे वह सरकारी स्कूल गेट के सामने कस्टमर का इंतजार कर रहा था।

इस दौरान दो बदमाश युवक पहुंचे और दीपक साहू के बैग से एक पैकेट चश्मा, कंघी, एवं चार बंद पैकेट जिसमें लेगीज, हर्बल आयल एवं अन्य समान जबरदस्ती लूट कर ले गए।

नेवई पुलिस ने बताया कि चुंकि दीपक साहू अक्सर स्टेशन मरोदा क्षेत्र में डिलीवरी करने जाता है इसलिए वह लूट करने वाले युवकों को पहचानता था। दीपक ने नेवई थाने पहुंचकर स्टेशन मरोदा निवासी मोहन सेट्टी एवं राहुल बावरी के खिलाफ लूट की नामद शिकायत दर्ज कराई। घटना की गंभीरता को देखते हुए नेवई पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। नेवई पुलिस ने स्टेशन मरोदा से आरोपी मोहन सेट्टी एवं राहुल बावरी को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

राजधानी में युवक की हत्या, 24 घंटे के भीतर पकड़ाए आरोपी

■ डीडी नगर थाने का मामला, पुरानी रंजिश में दिया घटना को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के डीडीनगर थाना क्षेत्र में 18 साल के आशीष बंजारे की हत्या मामले में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपितों में बिट्टू यादव, मुकेश, रवि ठाकुर और छोटू यादव है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपियों का जुलूस भी निकाला।

बतादें कि बदमाशों ने रविवार को शाम चार बजे दिनदहाड़े चाकू मारकर आशीष बंजारे की हत्या कर दी। इस हमले में दूसरा साथी उमेश मसकोले गंभीर रूप से घायल है, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। जेल से छूटे दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ हमला किया। स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रवि ठाकुर, बिट्टू यादव, मुकेश तथा अन्य दो के खिलाफआशीष बंजारे की हत्या करने का आरोप है। महादेव घाट चौक के पास जहां से भाठागांव और शनि मंदिर के लिए रास्ता कटा है, वहीं आशीष तथा उसके साथी उमेश मसकोले उर्फ चांटी को चाकू मारा। आशीष के शरीर में कई बार चाकू से हमला किया गया। इससे उसकी मौत हो गई।

पहले भी हत्या कर चुका है एक आरोपी, जेल से छूटा था

मृतक आशीष बंजारे और उसके साथी उमेश के खिलाफ भी थाने में पूर्व में मारपीट तथा अन्य अपराध को लेकर मामले दर्ज हैं। इसके साथ ही जिन लोगों के ऊपर हत्या करने के आरोप लगे हैं, उन पर भी अपराध दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक रवि ठाकूर तथा बिट्टू हत्या के आरोप में जेल में बंद थे। बताया जा रहा है कि उमेश से बदला लेने के लिए पहुंचे थे। उसके साथ उसका दोस्त आशीष भी था। इसके चलते बदमाशों ने उमेश को जब मारने के लिए दौड़ाया, तब आशीष बदमाशों से भिड़ गया। इस पर बदमाशों ने आशीष के ऊपर भी चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

साइकिल व पैदल चल रहे लोगों का मोबाइल छीनकर भाग जाते थे नाबालिग, दो अपचारी बालक गिरफ्तार

■ पुलिस ने किया तीन मामलों का खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल पुलिस ने दो नाबालिग मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया है। नाबलिग राह चलते लोगों से मोबाइल लूटकर भाग जाते थे। पुलिस ने ऐसे तीन मामलों का खुलासा करते हुए लूटी गई 03 नग विभिन्न कंपनीयों के मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जब्त किया है। जामुल पुलिस व एसीसीयू की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की।

जामुल पुलिस ने बताया कि 7 जनवरी 2024 को जोन-2 दुर्गा मंदिर खुर्सीपार निवासी दीपक देवांगन ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि 5 जनवरी 2024 के अपनी साइकिल से वापस घर जा रहा था। उसी समय शिव मंदिर नंदिनी रोड के पास मोटर साइकिल से 2 लड़के पहुंचे हाथ में रखे मोबाईल फोन को लूट कर भाग गये। शिकायत पर जामुल पुलिस ने धारा 392 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। उक्त लूट की घटना को अत्यंत ही गंभीरता से लेते हुएं विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास के आवागमन के मार्गों में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया। जिसमें 2 लड़को के फूटेज मिले। इसके आधार पर पुलिस ने दोनों लड़कों से विधिवत पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने तीन चार दिनों के अन्दर शिव मंदिर नंदिनी रोड, उम्दा चौक भिलाई -03, एवं एमजे कॉलेज स्मृति नगर के पास सायकल सवार लोगों से मोबाईल फोन लूट करना स्वीकार किया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

तृतीय लिंग समुदाय के सदस्यों ने की कलेक्टर एवं एसपी से सौजन्य मुलाकात

दुर्ग। दुर्ग जिले की कलेक्टर सुश्री रिचा प्रकाश चौधरी से तृतीय लिंग समुदाय के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात कर तृतीय लिंग समुदाय के बारे में चर्चा किया जिसमें समुदाय के सदस्यों ने तृतीय लिंग समुदाय को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने हेतु ज्ञापन सोपा गया एवं तृतीय लिंग समुदाय के लिए चलाएं जाने वाले योजनाओं की समीक्षा करने हेतु निवेदन किया गया। बता दे कि यह समुदाय लंबे समय से अपने अधिकारों से अपने आप को वंचित महसूस करता आ रहा है। वह समाज की मुख्य धारा से जुड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आज दिनांक तक इस समुदाय के लिए किसी प्रकार की विशेष योजनाएं नहीं बनाई गई है जिससे की तृतीय लिंग समुदाय भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके। समुदाय के सदस्यों ने एक संस्था का निर्माण कर स्कूलों एवं कॉलेज में जाकर तृतीय लिंग समुदाय के लिए जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इस अभियान को आगे बढ़ाने एवं सहयोग करने के लिए जिलाधीश महोदय एवं पुलिस अधीक्षक राम गोपाल गर्ग जी से समुदाय के सदस्यों ने मुलाकात कर ज्ञापन सोपा। इस मौके पर साइंस कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर सुचित्रा शर्मा, शंकराचार्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अर्चना झा, विनीता जी एवं तृतीय लिंग समुदाय की प्रमुख कंचन सेंद्रे, चंद यादव, हसीना चांदनी, शेख साहिब एवं उनकी टीम ने मुलाकात किया।

मृतक के परिजनों को मिली 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर ने दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शीतला पारा रसमड़ा तहसील एवं जिला दुर्ग निवासी संतोष मौर्या की विगत 03 जून 2023 को नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। इसी प्रकार वार्ड 7, ग्राम व पोस्ट चंदखुरी तहसील व जिला दुर्ग निवासी अशोक नागरची की विगत 17 जनवरी 2022 को मृत्यु हो गयी थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. संतोष मौर्या के पिता श्री राम अवतार मौर्या को एवं स्व. अशोक नागरची की पत्नि श्रीमती बिदा बाई नागरची को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

श्रमिक सहायता के लिए मोबाईल कैम्प का आयोजन आज से

दुर्ग। जिले में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक सहायता के लिए मोबाईल कैम्प का आयोजन 9 से 24 जनवरी तक किया जाएगा। मोबाईल कैम्पों में श्रमिकों का पंजीयन उनके प्रवर्ग अनुसार संबंधित मंडल में/नवीनीकरण/योजनाओं का आवेदन प्राप्त कर आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। सहायक श्रमायुक्त से मिली जानकारी अनुसार मोबाईल कैम्प शिविर 09 जनवरी 2024 को दुर्ग शहर के शांति नगर वार्ड 17 दुर्गा मंच दुर्ग एवं दुर्ग ग्रामीण के ग्राम नगपुरा में, 10 जनवरी को नगरीय निकाय चरोदा के नूतन चौक चरोदा एवं भिलाई के जोन-2 वार्ड 28 प्रेमनगर में, 11 जनवरी को जामुल के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 01 तालाब पारा वार्ड 5 एवं कुम्हारी के जंजगिरी में, 12 जनवरी को विकासखण्ड पाटन के ग्राम महुदा एवं धमधा के ग्राम मुरमुन्दा में, 16 जनवरी को दुर्ग शहर के न्यू आदर्श नगर वार्ड 53 पोटिया एवं दुर्ग ग्रामीण के ग्राम बेलौदी में आयोजित किया जाएगा।

आयुक्त देवेश ध्रुव ने किया फिल्टर प्लांट निरीक्षण, पानी में पाए जाने वाले तत्व की जांच, फिल्टरेशन प्रक्रिया भी देखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगमायुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने मॉर्निंग विजिट के दौरान 66 एवं 77 एमएलडी फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फिल्टर बेड, एरीएशन चेंबर, वाश वाटर एवं फिल्टर प्लांट के अन्य स्थानों में पहुंचकर जल शुद्धिकरण के लिए अपनाए जा रहे पूरे कार्यों का अवलोकन कर सम्पूर्ण प्रक्रिया को समझे। जल शुद्धीकरण की प्रत्येक विधि का जायजा लेते हुए, निगम क्षेत्र के हर वार्ड में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था निरंतरता बनी रहे इसके लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए।

फिल्टर प्लांट के लैब में पहुंचकर केमिस्ट से चर्चा करते हुए उन्होंने पानी में पाए जाने वाले तत्वों और टर्बिडिटी की जांच को गंभीरता से करने के निर्देश दिए। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के नागरिकों को शुद्ध पेयजल मिलता रहे इसके लिए जलकार्य विभाग की टीम पूरी मुस्तैदी से अपने कार्य में जुटी हुई है। कहीं भी विशुद्ध पानी न पहुंचे इसके लिए पानी सेंपल जांच के साथ ही सभी जोन क्षेत्रों से रेंडम जांच करने के निर्देश भी निगम आयुक्त श्री ध्रुव ने दिए। कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा ने बताया कि आयुक्त ने फिल्टर प्लांट मे शिवनाथ नदी से आने वाले पानी से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन वाटर के सैंपल तक की प्रक्रिया का अवलोकन किए। जल शुद्धिकरण के इस्तेमाल में उपयोग होने वाले क्लोरीन, ब्लीचिंग एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी ली। वाटर टेस्टिंग लैब में पहुंचकर संधारित पंजियों का तिथि अनुसार अवलोकन किए। आयुक्त ने प्रतिदिन पानी टंकी और अंतिम छोर के जल स्रोत से लिए जाने वाले सेम्पल के पानी टेस्टिंग की रिकॉर्ड व्यवस्थित करने कहा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, सहायक अभियंता बृजेश श्रीवास्तव, जोन आयुक्त येशा लहरे, अभियंता कुलदीप गुप्ता, बसंत साहू, एआरओ जगदीश तिवारी सहित निगम की टीम मौके पर उपस्थित रहे।

रोस्टर अनुरूप हो हर वार्ड सफाई

निगम आयुक्त श्री ध्रुव मॉर्निंग विजिट के दौरान वार्ड 29 वृंदा नगर पहुंचे जहां अटल आवास में बैकलाइन सफाई कार्य को देखे और सफाई को नियमित करने कहा, उन्होंने सफाई कराने वाली एजेंसी व जोन के स्वास्थ्य अधिकारी को हर वार्ड में रोस्टर के अनुरूप सफाई करने के निर्देश दिए। विजिट के दौरान आयुक्त से वार्ड के नागरिकों ने चर्चा में कुछ क्षेत्रों में नल से पानी लो प्रेशर से आने की जानकारी दिए जिस पर निगम आयुक्त ने उस क्षेत्र में बिछे हुए पाइपलाईन का सर्वे कर लो प्रेशर की समस्या का निराकरण करने का निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एक - दो स्थान पर सी एण्ड डी वेस्ट रखे जाने को लेकर जोन के स्वास्थ्य अमले को फटकार लगाते हुए तत्काल फाइन काटने के निर्देश दिए।

वैशाली नगर विधानसभा के बारह वार्डों में विधायक रिकेश सेन ने बनाए प्रतिनिधि

पार्षद व छाया पार्षद आपसी सामंजस्य से करेंगे क्षेत्र का विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधायक रिकेश सेन ने वैशाली नगर विधानसभा में भिलाई निगम अंतर्गत बारह वार्डों में विधायक प्रतिनिधि की नियुक्ति की है। विधायक रिकेश सेन द्वारा इस संबंध में जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार निगम भिलाई के वार्ड 12 अवंती बाई भीखम सिंह राजपूत, वार्ड 13 कोहका देवेंद्र सिन्हा, वार्ड 14 में विवेकानंद कालोनी से दुर्गेश सोनी, शांति नगर से कुबेर शर्मा, कृपाल नगर से राजेश प्रधान, वार्ड 15 पुराना अंबेडकर नगर मुरलीधर गुलहाने, पुराना शांति नगर सड़क 1 से सड़क 9 से दिनेश चुरहे, वार्ड 19 राजीव नगर महाराणा प्रताप साव, साहू पारा से संजय साहू व वार्ड 20 वैशाली नगर से नमिता हांडा को अपना प्रतिनिधि बनाया है।

इसी प्रकार विधायक रिकेश ने वार्ड 21 कैलाश नगर से शशि कुमार भगत, वार्ड 21-22 ढांचा भवन से सुंदर विहार नैन टंडन, वार्ड 22 कुरूद बस्ती कंवल सिंह साहू, वार्ड 23 घासीदास नगर से निखिल सोनी, वार्ड 24 हाउसिंग बोर्ड प्रीति जाधव, फौजी नगर मोतीलाल श्रीवास्तव, वार्ड 25 जवाहर नगर से लक्ष्मण चौधरी, हाउसिंग बोर्ड से सुनील जैन, 32 एकड़ से कुलवंती सिंह को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है।

विधायक रिकेश सेन ने प्रतिनिधियों को निर्देश दिया है कि वो अपने वार्ड के पार्षद/छाया पार्षद के सहयोग और सामंजस्य से जनसमस्या, विकास कार्यों सहित अन्य समस्याओं के संबंध में प्रस्ताव बना कर समय समय पर उन्हें दूर करवाने आवश्यक पहल करेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की गारंटी तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनोपयोगी योजनाओं को अपने वार्ड में घर-घर पहुंचा वार्डवासियों को लाभान्वित करने अहम भूमिका निभाएंगे।

सेल एथलेटिक्स डे बोर्डिंग स्कीम पुनः प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के अन्तर्गत लौह अयस्क समूह दल्ली राजहरा के कार्मिक विभाग द्वारा संचालित 'सेल एथलेटिक्स डे बोर्डिंग स्कीम' को पुनः प्रारंभ करते हुए 03 जनवरी 2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेषक बी के गिरी के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवार की अध्यक्षता में शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यपालक निदेषक (खदान) बी के गिरी ने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की एवं भविष्य में इसे व्यापक रूप में एथलेटिक्स बोर्डिंग के रूप में चलाने के लिए प्रयास करने का आष्वासन दिया। इस वर्ष एथलेटिक्स क्रीडा प्रतिभा के उन्नयन हेतु 14 बालिकाओं और 1 बालक का प्रषिक्षण हेतु चयन किया गया है। मुख्य अतिथि द्वारा चयनित खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन एवं सम्मान करते हुए स्पोर्टस कीट प्रदान किया गया। जुलाई 2008 से प्रारम्भ हुई इस डे बोर्डिंग स्कीम के तहत लौह अयस्क समूह, राजहरा के समीपस्थ क्षेत्र के एथलेटिक्स खेलों से संबंधित प्रतिभाषाली जूनियर खिलाड़ियों का चयन समिति द्वारा चयन किया जाता है। चयनित खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के एनआईएस के एथलेटिक्स कोच सुदर्षन सिंह द्वारा वर्षभर प्रषिक्षण प्रदान किया जाता है। साथ ही साथ इन चयनित खिलाड़ियों को सम्पूर्ण खेल सामग्री एवं चिकित्सा सुविधा बीएसपी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

विदित हो कि वर्ष 2008 से कार्मिक विभाग, राजहरा द्वारा संचालित यह स्कीम कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 से बंद कर दी गई थी।

कार्यपालक निदेषक (खदान) बी के गिरी, मुख्य महाप्रबंधक (लौह अयस्क खदान समूह) आर बी गहरवार एवं सहायक महाप्रबंधक एम डी रेड्डी के विषेष प्रयासों से इस वर्ष पुनः इस स्कीम को आरम्भ किया गया। उल्लेखनीय है कि बी.एस.पी. एथलेटिक्स डे बोर्डिंग स्कीम के तहत प्रषिक्षण प्राप्त प्रतिभाषाली खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में 204 पदक (47 गोल्ड, 70 सिल्वर, 87 ब्रांज) और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में 917 पदक (516 गोल्ड, 254 सिल्वर, 147 ब्रांज) प्राप्त किया है। यहां प्रषिक्षण प्राप्त खिलाड़ियों में से 3 महिला एथलिट राज्य वन विभाग में, 3 महिला एथलिट राज्य षिक्षा विभाग में, 1 पुरूष एथलिट भारतीय सेना में एवं 2 पुरूष एथलिट राज्य पुलिस विभाग में स्पोर्टस कोटे से चयनित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त 2 महिला एथलिट ने राष्ट्रीय स्तर के एनआईएस कोच की पत्रोपाधि प्राप्त की है। 3 महिला एथलिट ने खेल में मास्टर डिग्री तथा 8 महिला एथलिट ने खेल में स्नातक डिग्री प्राप्त की है। उपरोक्त समस्त उपलब्धियां सेल एथेलेटिक्स डे बोर्डिंग स्कीम की सार्थकता को स्वतः स्पष्ट करता है।

उदघाटन समारोह में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी मनोज कुमार डहरवाल, महाप्रबंधक एस आर बास्की तथा महाप्रबंधक अरूण कुमार, सहायक महाप्रबंधक प्रवीण मराठे, सहायक महाप्रबंधक एस के व्यास, उप प्रबंधक डॉ जे एस बघेल, श्रम कल्याण अधिकारी श्रीमती संध्या रानी वर्मा सहित सहायक कोच तारा सिंह, हंस रावटे और पूर्व में प्रषिक्षण प्राप्त अनेक खिलाड़ी उपस्थित थे।

सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र में विभागीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र के तत्वाधान में जारी सुरक्षा जागरूकता माह 2024 के अंतर्गत, सयंत्र के अनुसन्धान एवं नियंत्रण प्रयोगशाला विभाग में विभागीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन 08 जनवरी 2024 से 13 जनवरी 2024 तक किया जा रहा है। इस सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन समारोह का आयोजन कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसके अलावा कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (लौह) तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) प्रबीर कुमार सरकार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी असित साहा और महाप्रबंधक प्रभारी एस के अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अंजनी कुमार ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे लिए सयंत्र में उत्पादकता के साथ-साथ कार्यस्थल में सुरक्षा सर्वोपरि है। हमें अन्य सहकर्मियों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करते रहना है। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित जनों से सभी सुरक्षा उपकरणों का आवश्यक रूप से उपयोग करने ही भी अपील की।

कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप-प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात विभाग के कार्मिकों द्वारा एक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विभाग प्रमुख महाप्रबंधक ए वी मनोज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अनुसन्धान एवं नियंत्रण प्रयोगशाला के महाप्रबंधक श्री आवेश सहारे, विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं सहायक महाप्रबंधक दिवाकर सिरमौर, वरिष्ठ प्रबंधक जाहिद खान, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश चैधरी, प्रबंधक सुश्री ऋचा अवस्थी समेत अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के उद्घाटन समारोह में सुरक्षा से संबन्धित रंगोली, स्लोगन, कविता एवं पोस्टरों की प्रदर्शनी के साथ-साथ सुरक्षा जागरूकता थीम पर पपेट शो और सुरक्षा-गीत आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा थीम पर एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था, जिसमें उपस्थित अतिथियों, अधिकारीयों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक के वी शंकर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया एवं संचालन कनिष्ठ अधिकारी सुश्री खिलांजलि टेमरे ने किया।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले भाजपा चलायेगी तीर्थस्थलों, मंदिरों और पूजास्थलों के आसपास स्वच्छता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों से आव्हान किया है कि अयोध्या में प्रभु राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा से पहले मकर संक्रांति 14 जनवरी से 22 जनवरी तक सभी तीर्थ स्थल पूजा स्थल एवं मंदिरों के आसपास परिसर क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए।

जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री के आव्हान पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी एवं प्रदेश भाजपा नेतृत्व द्वारा जारी निर्देशानुसार दुर्ग जिला भाजपा संगठन के सभी 13 मंडलों में मकर संक्रांति 14 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रतिदिन 2 से 3 घंटे विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत पूजा स्थलों के आसपास के क्षेत्र में झाड़ू लगाने, प्लास्टिक चुनने, डस्टबिन रखने एवं चूना मिट्टी का उपयोग किया जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार पार्टी के सांसद-विधायक, नगरीय निकाय एवं पंचायत के जनप्रतिनिधियों से लेकर समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में प्रभावी रूप से भाग लेंगे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुन संबंधित विभागों को आवश्यक पहल करने के दिए निर्देश

संविदा स्टॉफनर्सो को संविदा सेवा में वृद्धि हेतु दिया आश्वासन, जनदर्शन में प्राप्त हुए 130 आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रति सोमवार को आयोजित होने वाले कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले के विभिन्न स्थानों से आवेदन लेकर पहुंचें लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही करने के लिए आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 130 आवेदन प्राप्त हुए।

चंदखुरी निवासी बलीराम देवांगन वृद्धा पेंशन दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि वह मजदूरी का कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है, किंतु अचानक लकवा से ग्रसित होने के कारण हाथ-पैर अपंग हो गया है, जिसके कारण मजदूरी कार्य करने में असमर्थ है। इस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। वार्ड नं. 34 बजरंग नगर निवासी ने राशन कार्ड एवं पेंशन योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन सौपा। उन्होंने बताया कि हम दोनों पति-पत्नी नेत्रहीन है। माता-पिता मजदूरी करके हम दोनों का जीवन गुजारा करते हैं। नेत्रहीन होने के कारण शासन की योजना राशन कार्ड व पेंशन योजना का लाभ नही उठा पा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वार्ड क्रमांक 44 कसारीडीह निवासी ने मीटर की खराबी की वजह से अधिक बिजली बिल आने की शिकायत की। मीटर की खराबी के कारण ज्यादा रिडिंग दिखा रहा है। इसकी शिकायत उनके द्वारा बिजली ऑफिस में की गई। उमरपोटी निवासी ने प्रधानमंत्री चना फसल का बीमा राशि दिलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम बटरेल सोसायटी में चना फसल का बीमा कराया गया है। उमरपोटी के सभी कृषकों द्वारा बीमा कराया गया था। सभी को बीमा राशि बैंक के माध्यम से प्राप्त हो चुका है, किंतु उनका बीमा राशि अभी तक प्राप्त नही हुआ है। इस पर कलेक्टर ने कृषि विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

संविदा स्टॉफनर्सो ने मासिक वेतन प्राप्त नही होने एवं संविदा सेवा में वृद्धि के लिए कलेक्टर से गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा शासकीय चंदुलाल चंद्राकर स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय कचांदुर में संविदा हेतु नियुक्ति की गई थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु 01 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक सेवा अवधि में वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की गई थी। वर्तमान में संविदा अवधि समाप्त होने के पश्चात किसी भी प्रकार का कोई आदेश और न ही दो माह नवम्बर और दिसम्बर का वेतन प्राप्त नही हुआ है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संविदा सेवा में वृद्धि के निर्देश दिए।

आदिवासी बालक छात्रावास दुर्ग के भूतपूर्व छात्रों 1974-85 बैच के 25वां सिल्वर जुबली मिलन समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आदिवासी बालक छात्रावास दुर्ग के1974=85 बैच के छात्रावास परिवारों द्वारा 25 वा मिलन समारोह सिल्वर जुबली मनगट्ठा मैं मिलन समारोह मनाया गया जिसमें विशेष अतिथि के रूप में इस छात्रावास में पले बड़े इंद्रशाह मंडावी विधायक मोहला मानपुर उपस्थित थे।

जिसका सभी छात्रावास परिवार ने फूल मालाओं से स्वागत किया पश्चात अपने उद्बोधन में छात्रावास के बिताए पलो को याद किया सन 1999 से हम लोग लगातार विभिन्न जगह पर मिलन समारोह मनाते आ रहे हैं।

सर्वप्रथम खरखरा बांध से शुरू किए थे फिर तांदुला गोंदली गंगरेल माडम सिल्ली इत्यादि जगहों पर सह परिवार मिलन समारोह के रूप में आपस में मिलते रहे और बीते पलों को याद करके एक दूसरे के साथ खुशियां बांटते बांटते आज मनगट्ठा मैं हमारा 25 वा सिल्वर जुबली कार्यक्रम संपन्न हुआ सेवा निवृत हुए श्रीमती लक्ष्मी ताराम को साल और श्रीफल और मेमोंटो देकर सम्मान किया।

जिसमें एस एल देवदास, आर एस नायक,(से. नि .डी आई जी) सुरेश ठाकुर , बी एस नायक, पंडित चूरेंद्र, एच एल दूधकौरव, राय सिंह ठाकुर, दद्दू राणा, सुभाष मंडलोई, लेखराम ध्रुव, पलटू ठाकुर, युगल किशोर, पौसार्य, पुनाराम भेड़िया, गोविंद ढाले, मंगिया राम, बसंत अंधारे, यू एस ठाकुर, सी आर देवहरे, जी आर ठाकुर, दीपेश कृपाल, नोहर सिंह ठाकुर, नारद ठाकुर, लव कुश नायक, दिगेष चुरेंड, चौरसिया , मन्नू राम ठाकुर, आदि समस्त परिवार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हुमन लाल दुधकौरव एडमिन एवम धन्यवाद बी एस नायक द्वारा समाप्त किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950